डाक पंजीयन सं. जयपुर सिटी/101/2020-22

R.N.I. No. RAJHIN/2014/56746

मीडिया दृष्टिकोण

वर्ष : 09 > अंक : 39 > मूल्य: 10 रुपए >पृष्ठ : 08

हिलव्यू समाचार

झूठ को हज़ार पर्दों और परतों में रखकर भी नहीं छुपाया जा सकता।
-शालिनी श्रीवास्तव

website: www.hsnews.in

साप्ताहिक समाचार पत्र

जयपुर, मंगलवार, 28 मार्च 2023

मंडरा रहा मौत का साया

हाईटेंशन लाइन के नीचे कैसे विकसित हो गया चोखी ढाणी रेस्टोरेंट टोंक रोड़,जयपुर

शालिनी श्रीवास्तव

जयपुर। राजधानी जयपुर में 'चोखी ढाणी' जाना माना नाम है। हॉस्पिटेलिटी सर्विसेज इंडस्ट्री में होटल के साथ-साथ राजस्थानी थीम पर बसा हुआ रेस्टोरेंट चोखी ढाणी राजधानी ही नहीं देश-विदेश में आकर्षण का केंद्र है किंतु बड़े आश्चर्य की बात है कि चोखी ढाणी,टोंक रोड़ बड़ी का बांस रूड ,जयपुर पर हाईटेंशन लाइन चोखी ढाणी के रेस्टोरेंट के बीचोंबीच ठीक ऊपर से गुज़र रही है जिसके नीचे लकड़ियों व घासफूस से बने हैरीटेज लुक के घर और साज सामान मौजूद रहते हैं हर वक़्त और जबकि उसमें हर दिन सैकड़ों देशी-विदेशी पर्यटकों का आवागमन होता है।

आख़िर जयपुर विकास प्राधिकरण और जयपुर विद्युत वितरण निगम ने इन्हें हाइटेंशन लाइन के नीचे रेस्टोरेंट बनाकर चलाने की अनुमति कैसे और किन परिस्थितियों में दे दी? आख़िर क्या वजह है इतना बड़ा ख़तरा इन दोनों विभागों को नज़र नहीं आ रहा कि हर क्षण मौत का साया वहाँ आने वाले विदेशी और भारतीय अतिथियों पर मंडरा रहा है यहाँ तक कि वहाँ काम करने वाले भी इस ख़तरे का शिकार कभी भी हो सकते हैं।

हाईटेंशन लाइन के बायलॉज नियम यह कहते हैं कि हाईटेंशन लाइन के 23 से 35 फुट के दायरे में कोई रिहायशी या व्यवसायिक निर्माण नहीं होना चाहिए, लेकिन यहां तो चोखी ढाणी के देखादेख इसके इर्द-गिर्द कई जगहों पर लोगों ने हाईटेंशन लाइन के नीचे दो-दो मंजिल तक मकान व होटल बना लिए हैं क्यों?

चोखी ढाणी रेस्टोरेंट के बीचोंबीच से गुजरती हाईटेंशन लाइन। नीचे लकड़ियों और घासफूस से हैरीटेज लुक की बसावट।

चोखी ढाणी,पुलिया पर से दृश्य। हाईटेंशन लाइन बीचोंबीच बसावट से गुजरते हुए

> विशेषज्ञों के अनुसार, हाईटेंशन तारों के चारों कॉरीडोर में इलेक्ट्रोमैग्नेटिक फील्ड बना होता है, जिसकी परिधि में आने वाली किसी भी वस्तु को ये तार अपनी ओर खींच सकते हैं। आमतौर पर अगर कोई मनुष्य इसकी चपेट में आ जाए तो कुछ ही सेकंड में उसकी मौत हो जाती है लेकिन न यहाँ न मासूम लोगों के जान की परवाह है और न नियमों,क़ानून, कायदों का अस्तित्व । मिलीभगत और आपसी फिक्सिंग से सब नियम ताक में रखकर इस कदर जेडीए और बिजली विभाग द्वारा लापरवाही बरती जा रही है कि मौत की छांव में आशियाना बन रहे हैं अगर कोई दुर्घटना हो जाए तो पल भर में ज़िंदगी मौत के मुँह में समा जाएगी।

जयपुर विकास प्राधिकरण और विद्युत विभाग की ज़िम्मेदारी

ऐसे में जयपुर विकास प्राधिकरण का काम है इस दायरे में ग्रीन बेल्ट विकसित करना और इसके दायरे में हो रहे अवैध निर्माणों व अतिक्रमणों पर सख़्ती से रोक लगाना और सरकारी पब्लिक नोटिस के जरिये भी लोगों को निर्देशित करें कि वे अपना हाईटेंशन लाइन के नीचे किया गया अतिक्रमण अवैध निर्माण हटा लें नहीं तो किसी भी प्रकार की दुर्घटना के लिए लोग स्वयं जिम्मेदार होंगे और स्वयं विभाग ही कड़ी कार्यवाही द्वारा ये अवैध निर्माण और अतिक्रमण हटाये। हाईटेंशन लाइन पहले बनती हैं और बाद में उनके नीचे व आसपास निर्माण किया जाता है और इन हाईटेंशन लाइनों को शिफ्ट किया जाना संभव नहीं होता। उसके लिए जेडीए को नोटिस बोर्ड पहले से लगा देना चाहिए ताकि लोग वहाँ व्यवसायिक या घर का निर्माण न करें। इस सम्बंध में लगातार जेडीए और वाटिका विद्युत भवन व विधानसभा स्थित विद्युत विभाग से भी सम्पर्क किया गया लेकिन कोई जवाब नहीं मिला। वाटिका के एईएन राजेन्द्र मीणा को लगातार संपर्क किया गया कार्यालय में, फोन कॉल करके ,वाट्सअप भेजकर लेकिन कोई जवाब नहीं आया जो इस मामले को और संदिग्ध बनाता है।सरकार को इस ओर सख़्ती से ध्यान देने की आवश्यकता है जेडीए और विद्युत विभाग को पाबंद करने की आवश्यकता है अन्यथा दुर्घटना ही सबक बनेगी इस भ्रष्टाचार और मिलीभगत का।

> **देशी-विदेशी पर्यटकों के अटेंशन का गढ़ हाईटेंशन लाइन की गिरफ़्त में। आख़िर जेडीए, वाटिका विद्युत विभाग एवं स्वयं रेस्टोरेंट मालिक को क्यों नहीं टेंशन सर पर झूल रहे मौत के साये की**

ख़बर-बेख़बर

मुकेश कुमार हीरो और महेश मान ज़ीरो!

- **नगर निगम ग्रेटर के ही हैं दोनों उपायुक्त एक मानसरोवर जोन और एक मालवीयनगर जोन के!**
- **फिर अवैध निर्माणों पर विधिसम्मत कार्यवाही में मानसरोवर जोन सक्रिय और मालवीय नगर जोन निरन्तर निष्क्रिय क्यों ?**

महेश मान, उपायुक्त मालवीयनगर जोन, नगर निगम ग्रेटर

मालवीय नगर जोन,नगर निगम ग्रेटर जयपुर

मुकेश कुमार, उपायुक्त मानसरोवर जोन, नगर निगम ग्रेटर

शालिनी श्रीवास्तव

जयपुर। जहाँ एक ओर नगर निगम ग्रेटर मानसरोवर जोन के उपायुक्त आरएएस मुकेश कुमार ने मानसरोवर मध्यम मार्ग पर आवासीय में अवैध निर्माण कर व्यवसायिक भू-उपयोग करने वाले व्यापारियों को 22 मार्च 2023 को सार्वजनिक सूचना के साथ नोटिस जारी कर कार्यवाही करने का फ़रमान जारी कर अपनी कर्मठता और कार्यनीति का सशक्त उदाहरण पेश किया वहीं दूसरी ओर नगर निगम ग्रेटर मालवीय नगर जोन के उपायुक्त महेश मान अवैध निर्माणों पर कार्यवाही न करके लगातार निष्क्रिय और संदेहास्पद कार्यनीति का परिचय दे रहे हैं

जहाँ एक ओर अवैध निर्माण और अतिक्रमण की सूचना देने पर मुकेश कुमार आम नागरिक या किसी भी मीडियाकर्मी को जोन सम्बंधित जानकारी देने से नहीं कतराते और सभ्यता से पेश आते हैं वहीं दूसरी ओर अवैध निर्माण और अतिक्रमण की सूचना देने पर महेश मान बदतमीजी और अकड़ से पेश आते हैं हर आगंतुक और मीडियाकर्मियों से।

जहाँ एक ओर चेटीचंड की छुट्टी पर मुकेश कुमार कार्यालय मानसरोवर जोन नगर निगम ग्रेटर में अपने सहयोगियों के साथ शाम 6 बजे बाद भी कर्मठता से कार्य करते नज़र आते हैं वहीं दूसरी ओर महेश मान के कार्यालय मालवीय नगर जोन नगर निगम ग्रेटर में कार्य दिवस के दौरान भी रजिस्टर्ड डाक को लेने वाला कोई नहीं मिलता पोस्टमेन को वह रिपोर्ट पर लिखता है कि डाक लेने वाला कोई नहीं और तो और ख़ास लोगों के साथ अपने केबिन में बन्द महेश मान घण्टों सरकारी समय का दुरुपयोग करते नज़र आते हैं।

गुरुनानकपुरा,राजापार्क, पंचवटी सर्कल, बर्फ़ख़ाना चौराहे के अवैध निर्माण महेश मान के ईमान को प्रमाणित करते हैं कि इनके कार्यकाल में कितने अवैध निर्माण, अतिक्रमण बहुमंजिला इमारतें बिना स्वीकृति, बिना पार्किंग ज़ीरोसेट बैक पर धड़ाधड़ी से बन रहे हैं। उनके द्वारा आख़िर इन अवैध निर्माणों को नोटिस जारी कर कार्यवाही क्यों नहीं की गई और अब भी कार्यवाही क्यों नहीं हो रही जबकि राजस्थान हाईकोर्ट ने हाल ही में जेडीए और नगर निगम को आवासीय कॉलोनियों में हो रहे व्यवसायिक अवैध निर्माणों को चिन्हित कर कार्यवाही करने के सख़्त आदेश दिए हैं। उपायुक्त महेश मान द्वारा कोर्ट की अवमानना के साथ-साथ अपने पद व पावर के प्रतिकूल कार्य करने की क्या वजह हो सकती है ?

सार्वजनिक मंच से उपायुक्त महेश मान से प्रश्न है कि...

1. मालवीयनगर जोन के अवैध निर्माणों पर उपायुक्त महेश मान कार्यवाही क्यों नहीं कर रहे?
2. क्या वजह है कि सीजर की कार्यवाही के बाद सीलबन्द इमारतों में लगातार काम चालू रहता है?
3. क्या वजह है कि आपके जोन में हो रहे अवैध निर्माण तेज़ गति से पूरे हो रहे हैं और आपके पास समय नहीं कि आप उन पर कड़ी कार्यवाही कर सकें?
4. क्या वजह है कि अवैध निर्माणों से सम्बंधित सूचना रजिस्टर्ड डाक को आपके कार्यालय में फाड़कर पढ़ा गया और पुनः वापस रख प्रेषक

हिलव्यू समाचार को भेज दिया गया और कई दिन तक लिया नहीं गया जब तक कि आपके कार्यालय की मनमानी के विरुद्ध आवाज़ नहीं उठाई गई?

इन प्रश्नों के जवाब उपायुक्त महेश मान को देने ही होंगे क्योंकि मामला लोकायुक्त,न्यायालय में जाने को है जल्द। जनता की सेवा में बैठे ये अधिकारी निरंकुश,तानाशाह और भ्रष्टाचारी कैसे बन जाते हैं यह खुलासा होना ज़रूरी है जनता के हितों के लिए।

मध्यम मार्ग मानसरोवर व्यापारी देंगे निगम को जवाब

नहीं हटाएंगे मध्यम मार्ग के आवासीय मकानों से दुकानें और ज़ीरो सेटबैक, सालों से कर रहे हम व्यापार!

- **व्यापारियों ने उठाये प्रश्न सरकार और अधिकारियों पर कि तात्कालीन जोन अधिकारी और सरकार भी ज़िम्मेदार आवासीय में व्यवसायिक गतिविधियों को संचालित करवाने के**
- **थड़ी मार्केट से भृगु पथ मानसरोवर के व्यापारियों को मानसरोवर निगम ग्रेटर ने दिया था सार्वजनिक नोटिस- 7 दिन में हटाओ अतिक्रमण**
- **मानसरोवर व्यापार मण्डल अध्यक्ष रामावतार शर्मा,संगठन मंत्री राजेश शर्मा,सचिव संजय दाधीच एवम सद्भावना व्यापार मंडल संरक्षक मनोज पांडेय से इस सम्बंध में सीधी बातचीत**
- **उपायुक्त मानसरोवर जोन नगर निगम ग्रेटर से हुई इस संबंध में चर्चा**

कुलदीप गुप्ता

जयपुर (हिलव्यू समाचार)। मानसरोवर जोन नगर निगम ग्रेटर उपायुक्त मुकेश कुमार ने मध्यम मार्ग पर बने अवैध कॉम्प्लेक्स, दुकानों और ज़ीरो सेटबैक पर हुए अवैध निर्माणों को ध्वस्त करने का नोटिस 22 मार्च 2023 को दिया है। व्यापारी लगभग 15-20 साल आवासीय में कमर्शियल गतिविधि कर रहे हैं।

नोटिस के अनुसार थड़ी मार्केट से भृगु पथ यानि 5.5 किमी तक पूरे मध्यम मार्ग पर अवैध कॉमर्शियल कॉम्प्लेक्स, जीरो सेटबैक में अवैध निर्माण, दुकानें बनी हैं। इस 5.5 किमी एरिया में करीब 2 हजार दुकानें, कॉम्प्लेक्स व अन्य अवैध निर्माण हैं। जोन ने बिल्डिंग बायलॉज का उल्लंघन करने वाले 468 भूखंड मालिकों को नोटिस दे दिया है और 7 दिन में अवैध निर्माण हटाकर फोटोग्राफ सहित दस्तावेज पेश करने के निर्देश दिए हैं। भूखंड मालिक दस्तावेज पेश करना चाहे तो 3 दिन में दे सकता है। अवैध निर्माण नहीं हटाया तो कॉम्प्लेक्स को सील कर जीरो सेटबैक में अवैध निर्माण ध्वस्त होंगे। हर्जा-खर्जा भूखंड मालिक से ही वसूला जाएगा।

मामला अचानक कैसे उछला?: 2 मार्च को अनिल गुप्ता की दुकानें सील की गई थीं। उन्होंने हाईकोर्ट में याचिका लगाई और कहा मध्यम मार्ग पर ज्यादातर घरों में व्यावसायिक गतिविधियाँ हैं लेकिन उसी पर कार्यवाही की गयी है। इस पर कोर्ट ने सर्वे कर रिपोर्ट देने निर्देश दिए थे।

रामावतार शर्मा
अध्यक्ष, आदर्श व्यापार मंडल, मानसरोवर जयपुर

निगम से प्रश्न ये है कि अवैध कॉम्प्लेक्स, दुकानें, जीरो सेटबैक में निर्माण रोकने की ज़िम्मेदारी तात्कालीन निगम की भी थी और जब अवैध निर्माण हो रहे थे तब निगम के अधिकारी कहाँ थे? क्यों निष्क्रिय रहे ? मध्यम मार्ग में पिछले 15 साल से यहाँ व्यापार हो रहा है। हम न्यायालय में गुहार लगाएंगे।

मनोज पांडेय, संरक्षक, सद्भावना व्यापार संघ मानसरोवर,जयपुर

लगभग 15-20 वर्षों से मध्यम मार्ग पर व्यापार संचालित है और तथ्यों के आधार पर ध्वस्तीकरण न्यायसंगत नहीं। न्यायालय के आदेश का सम्मान करते हुए हम भी लीगल तौर पर ही न्यायालय में गुहार लगाएंगे और जवाब प्रस्तुत करेंगे कि आमजन के हितों के साथ न्यायसंगत फ़ैसला हो। हम सभी व्यापरियों ने संघर्ष कमेटी का गठन भी किया है।

संजय दाधीच, सचिव, मानसरोवर व्यापार मंडल,जयपुर

मेरा मानना है कि जब ये दुकानें बन रहीं थीं और आज भी लगातार बन रही है तब सरकार और प्रशासन क्यों सोया हुआ था? हाईकोर्ट ने अगर आदेश दिए हैं तो उसके तथ्यों को जाँचा जाए कि 90 मीटर के निर्माण पर सेटबैक का मामला ही नहीं बनता और अगर आवासीय में कमर्शियल दुकानें संचालित है तो कहीं न कहीं प्रशासन और शासन की लापरवाही भी इसकी दोषी है ऐसे में बीच का रास्ता यह निकलता है कि इन सभी को कमर्शियल क़रार दिया जाकर उस हिसाब से रेवेन्यू वसूल लिया जाए लेकिन ध्वस्तीकरण करना हमारे साथ नाइंसाफ़ी है। इसके लिए युध्द तय है हम अपने हक़ के लिए लड़ेंगे।

राजेश शर्मा संगठन मंत्री, मानसरोवर व्यापार मंडल, जयपुर

हमने कॉमर्शियल एक्टिविटी टेक्स,कॉमर्शियल बिजली बिल,डीएलसी रेट सवा लाख रुपये कॉमर्शियल भरकर रजिस्ट्री करवाई गई है फिर हम आवासीय में कमर्शियल कार्य करने पर चिन्हित क्यों हुए? हम यह अन्याय नहीं सहेंगे और निगम को क़ानून के ज़रिए ही जवाब देंगे और जवाब लेंगे। हमारी संघर्ष समिति कानूनी राय के साथ आगे काम करेगी।

उपायुक्त मुकेश कुमार, मानसरोवर जोन नगर निगम ग्रेटर जयपुर

हमने माननीय न्यायालाय के आदेश की पालना की है और नोटिस में स्वयं अवैध निर्माण हटाने और आवासीय में व्यावसायिक गतिविधियां बंद करने के निर्देश दिए हैं। भूखंड मालिक अवैध निर्माण नहीं हटाएगा तो हम विधि सम्मत कार्यवाही भी करेंगे। न्यायालय के आदेश की पालना निगम करेगा और 7 दिन बाद अगर यह अवैध निर्माण नहीं हटते हैं तो नोटिस अनुसार आगे की कार्यवाही की जाएगी।

मानसरोवर में नगर निगम के नोटिस के विरोध में व्यापारी हुए लामबंद

बाज़ार बंद कर 3000 व्यापारियों ने निकाला पैदल मार्च

हिलव्यू समाचार

जयपुर। नगर निगम ग्रेटर मानसरोवर के व्यापारियों को अवैध निर्माण हटाने के नोटिस देने के बाद कल सोमवार को प्रतिष्ठान 4 घंटे के लिए बंद रख प्रातः 10:00 बजे एस एफ एस चौराहे पर एकत्रित होकर लगभग 3000 व्यापारियों ने भृगुपथ तक पैदल मार्च निकालकर विरोध दर्ज कराया।

- **हाई कोर्ट में पेश किया नोटिस का जवाब**
- **28 मार्च आज देंगे निगम को नोटिस का जवाब**

पैदल मार्च में विधायक अशोक लाहोटी, सद्भावना व्यापार मंडल के संरक्षक मनोज पांडे , रामतीर्थ व्यापार मंडल के संरक्षक पार्षद मुकेश लख्यानी, सद्भावना व्यापार मंडल के अध्यक्ष दीपक जग्गा, ,सेंट्रल व्यापार मंडल के संयोजक मनोज गोठवाल, महामंत्री भवर पंडित ,आदर्श व्यापार मंडल के रामअवतार शर्मा, पटेल मार्केट व्यापार मंडल के अध्यक्ष घनश्याम गुप्ता , वी टी रोड के अध्यक्ष जतिन मोसून, विजयपथ व्यापार मंडल के अध्यक्ष राकेश अरोड़ा थड़ी मार्केट व्यापार मंडल के अध्यक्ष राजेश लोहिया , बड़ा बाजार व्यापार मंडल के अध्यक्ष मदन चौधरी ,रामतीर्थ व्यापार मंडल के अध्यक्ष शिव दयाल अग्रवाल, मेट्रो व्यापार मंडल के अध्यक्ष अशोक अग्रवाल ,पार्षद श्रीमती भारती लख्यानी, पारस जैन,अरुण बजरंगी,हरिओम स्वर्णकार, शक्ति यादव,पार्षद अभय पुरोहित,आशीष शर्मा,रामावतार गुप्ता मनोज तेजवानी ने भी अपना उद्बोधन देते हुए व्यापारियों का समर्थन किया पैदल मार्च में व्यापार मंडल के पदाधिकारियों के साथ हजारों व्यापारी मौजूद रहें।

दख़ल

घरेलू बचत का बदलता रुझान

पिछले कुछ वर्षों से निवेश को लेकर बैंकिंग क्षेत्र मुख्य आकर्षण का केंद्र नहीं रहा है, लेकिन भारतीयों की घरेलू बचत लगातार बढ़ रही है। स्पष्ट है कि आर्थिक निवेश के कई दूसरे स्रोत लोगों की प्राथमिकता में शामिल हो रहे हैं। मसलन, कोरोना महामारी के दौरान बीमा की तरफ आकर्षण तेजी से बढ़ा। अब आर्थिक निवेश के कई दूसरे स्रोत लोगों की प्राथमिकता में शामिल हो रहे हैं और बचत पर फोकस कर रहे हैं।

पिछले दिनों जब भारतीयों की बचत के आधिकारिक आंकड़े घोषित हुए, तो एक बार फिर यह प्रमुखता से स्थापित हुआ कि भारतीय अर्थव्यवस्था को सिर्फ लोगों की क्रय क्षमता से जोड़ कर देखना तर्कसंगत नहीं है। वैसे तो पुराने समय से ही भारतीय समाज में आर्थिक बचत करने की परंपरा रही है, लेकिन वैश्वीकरण के इस दौर में जब भौतिकवादी जीवन आर्थिक विकास का प्रतिबिंब माना जाता है, तब भी अगर आम भारतीय अपनी आर्थिक बचत के प्रति जागरूक है, तो यह निश्चित रूप से भारत के आर्थिक विकास के लिए अच्छा संकेत है। भारतीय अर्थव्यवस्था में अगर हम आर्थिक बचत के आंकड़ों का विश्लेषण करें, तो 2004 से 2010 तक वर्ष-दर-वर्ष आर्थिक बचत और जीडीपी का प्रतिशत लगातार बढ़ता रहा। 2010 में आर्थिक बचत 36.9 प्रतिशत थी, जो आज तक का अधिकतम स्तर है। उस दौरान भारतीय अर्थव्यवस्था की प्रतिवर्ष विकास दर भी तेजी से बढ़ रही थी।

2011 के बाद से आर्थिक बचत के आंकड़ों में कमी देखी गई है और इसके कारणों में आर्थिक विकास की दर में कमी आना, महंगाई का ऊपरी स्तर पर चले जाना तथा शुरुआती कुछ वर्षों में देश की राजनीतिक सत्ता के प्रति असंतोष की भावना मुख्य थी। इसी बीच कोरोना महामारी ने एक वैश्विक संकट के रूप में दस्तक दी, जिसने संपूर्ण समाज के लिए आर्थिक परेशानियां भी एकाएक पैदा कर दी। 2020-21 के दौरान भारतीय अर्थव्यवस्था में आर्थिक बचत जीडीपी का 28 प्रतिशत थी, क्योंकि लॉकडाउन के दौरान बड़ी मात्रा में लोगों का रोजगार चला गया था। फिर भी सकारात्मक रुख इस बात से स्पष्ट होता है कि 2021-22 में आर्थिक बचत जीडीपी के तीस प्रतिशत से ऊपर रही। यानी भारतीयों में आर्थिक बचत का रुझान लगातार बरकरार है। जब भी आर्थिक बचत की बात होती है, तो व्यक्ति के दिमाग में दो प्रश्न एक साथ उठते हैं।

पहला, शायद प्रति व्यक्ति खर्चा कम हो रहा है, इसलिए आर्थिक बचत बढ़ रही है। दूसरा, प्रति व्यक्ति वित्तीय आय बढ़ रही है, जिससे आर्थिक बचत भी बढ़ रही है। ये दोनों प्रश्न परस्पर विरोधाभासी हैं। पहला प्रश्न नकारात्मक रुख लिए है, तो दूसरा सकारात्मक सोच का है। इन सबके बीच एक बात और चकित करती है कि भारतीयों का आर्थिक बचत करने का रुझान बड़ी तेजी से बदल रहा है। भारतीयों के रुख को किसी एक पक्ष पर अनुमानित करना बड़ा मुश्किल है। मसलन, पिछले एक दशक में घरेलू बचत का बैंकिंग जमाओं में हिस्सा बड़ी तेजी से गिरा है। यह बात वर्षों से चली आ रही इस सोच को एकाएक दरकिनार कर देती है कि भारतीयों के लिए आर्थिक निवेश की पहली प्राथमिकता बैंकों में जमा करना है। 2011 के दशक तक घरेलू बचत का 58 प्रतिशत बैंकों की जमाओं में सम्मिलित होता था, जो कि 2020-21 में घट कर 38 प्रतिशत ही रह गया। अगले वर्ष 2021-22 में यह आंकड़ा तेजी से घट कर 25 प्रतिशत के स्तर पर आ गया। इसका एक कारण बैंक की जमाओं पर मिलने वाले ब्याज में तेजी से आई गिरावट है। दूसरा कारण कोरोना प्रभावित वर्षों में प्रति व्यक्ति आय में आई गिरावट है।

गौरतलब है कि पिछले कुछ वर्षों से निवेश को लेकर बैंकिंग क्षेत्र मुख्य आकर्षण का केंद्र नहीं रहा है, लेकिन भारतीयों की घरेलू बचत लगातार बढ़ रही है। स्पष्ट है कि आर्थिक निवेश के कई दूसरे स्रोत लोगों की प्राथमिकता में शामिल हो रहे हैं। मसलन, कोरोना महामारी के दौरान बीमा की तरफ आकर्षण तेजी से बढ़ा। भारत में जीवन बीमा आर्थिक निवेश का सदा प्रमुख स्रोत रहा है। प्रत्येक भारतीय को जीवन बीमा में आर्थिक निवेश का विचार पारिवारिक सोच के रूप में प्राप्त होता है। कोरोना महामारी के दौरान चिकित्सा बीमा की तरफ लोगों का रुझान एकाएक तेजी से बढ़ा, पर यह स्थायी रूप नहीं ले पाया। अगले वित्तवर्ष में ही इसमें कमी देखी गई। बीमा व्यवसाय के लिए यह बड़ी चिंता का विषय है कि क्यों भारत में आज भी बीमा का चलन बहुत कम है? कोरोना महामारी के वर्ष में जरूर यह 3.8 प्रतिशत से एकाएक बढ़ कर 4.2 प्रतिशत हो गया था। गौरतलब है कि बीमा का वैश्विक औसत आंकड़ा सात प्रतिशत है और कई विकसित देशों- अमेरिका, ब्रिटेन आदि- में तो यह दस प्रतिशत से ऊपर रहता है। बीमा कंपनियों को इस संबंध में जरूर सोचना चाहिए कि भारत में प्रीमियम की लागत इस संदर्भ में अधिक तो नहीं है?

इस बात की तस्दीक प्रमुखता से हो रही है कि अब भारतीयों की आर्थिक बचत का रुख बड़ी तेजी से भारतीय पूंजी बाजार की तरफ हो रहा है। आंकड़ों के मुताबिक वर्ष 2021-22 में दस लाख नए निवेशक भारतीय पूंजी बाजार से जुड़े हैं, जिन्होंने म्यूचुअल फंड में सिप (सिस्टमैटिक इन्वेस्टमेंट प्लान) के माध्यम से आर्थिक निवेश किया। इसमें एक वर्ष के दौरान ही घरेलू बचत का चार प्रतिशत से अधिक रुझान भारतीय पूंजी बाजार की तरफ देखने को मिला है। इसमें 'हिस्सेदारी' में प्रत्यक्ष निवेश तथा म्यूचुअल फंड दोनों एक मुख्य विकल्प के रूप में उभर कर सामने आए हैं। पिछले वित्तवर्ष में बड़ी संख्या में 'आईपीओ' में निवेश का विकल्प भी पूंजी बाजार में आर्थिक निवेश के लिए उपलब्ध था, जिनके माध्यम से कंपनियों ने बड़ी मात्रा में पूंजी जुटाई। एलआइसी का आईपीओ तो सबसे अधिक चर्चा में रहा। नए दौर के स्टार्टअप में 'पेटीएम' और 'जोमैटो' के आईपीओ ने भी खूब चर्चा बटोरी। शायद यही मुख्य कारण था कि कोरोना काल में जब आर्थिक मंदी का दौर था, तब भी भारतीय पूंजी बाजार ने लगातार बढ़त बनाए रखी, क्योंकि उस समय बड़ी संख्या में नए निवेशक भारतीय पूंजी बाजार से जुड़े।

उस दौरान वैश्विक निवेशकों की पहली प्राथमिकता भी चीन के बजाय भारत ही रहा। यह भी देखने को मिला कि भारतीयों का पेंशन तथा भविष्य निधि (प्रोविडेंट फंड) में भी निवेश के प्रति रुझान खूब बढ़ा है। एक बात, जो आर्थिक बचत के आंकड़ों के विश्लेषण के बीच में एक विकट स्थिति को इंगित करती है, कि भारतीय समाज में इन दिनों महंगी कारों और महंगे घरों की खरीदारी बढ़ रही है। इससे इस चिंता को बल मिलता है कि कहीं भारत में अमीरों और गरीबों के बीच बढ़ रही आर्थिक असमानता ही तो नहीं इस आर्थिक बचत की तेजी का प्रतीक है? रिपोर्ट के मुताबिक 2020-21 और 2021-22 में चार लाख करोड़ रुपए का वित्तीय निवेश भवन निर्माण की विभिन्न परियोजनाओं में भारतीयों द्वारा किया गया।

इस संदर्भ में यह भी सोचा जा सकता है कि शायद कोरोना की वजह से कई अप्रवासी भारतीय अपने मुल्क लौटे हैं और उन्हीं द्वारा बहुतायत में इन घरों की खरीदारी की गई है। जमीन की तरह इस दौरान सोने और चांदी में भी निवेश के प्रति रुझान देखने को मिला है। यह भी समझना होगा कि पिछले वित्तवर्ष में महंगाई के आंकड़े हमेशा ऊपर ही रहे हैं, चाहे इसके पीछे कुछ वैश्विक कारण हों, जिनमें रूस-यूक्रेन युद्ध या रुपए के मुकाबले डालर का तुलनात्मक रूप से अधिक मजबूत होना। इन स्थितियों ने भारतीय निवेशकों को यह सोचने पर मजबूर किया है कि सात प्रतिशत से अधिक की महंगाई दर के सामने पांच प्रतिशत की बैंक जमाओं का ब्याज नकारात्मक ही है। इसीलिए शायद उन्होंने शेयर बाजार को प्राथमिकता देने की कोशिश की है।

परमजीत सिंह वोहरा
(वरिष्ठ पत्रकार)

सम्पादकीय

जुबान पर लगाम समय की जरूरत

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की तारीफ की जानी चाहिए कि उन्होंने अपने मंत्रियों व नेताओं को जुबान पर लगाम लगाने की सलाह दी। लेकिन उससे कुछ हासिल नहीं होगा, यदि बाकी दल और नेता जिम्मेदारी का परिचय नहीं देंगे। अभी राहुल गांधी मामले का मर्म यही है।

एक कहावत है, जुबान में हड्डी नहीं होती, मगर यही जुबान सबसे ज्यादा हड्डी तुड़वाती भी है। अगर इस बात को सभी समझ जाएं, तो न माहौल बिगड़ेगा और न ही किसी को कोर्ट के चक्कर लगाने पड़ेंगे। यह कहावत अभी राहुल गांधी के संदर्भ में बिल्कुल सटीक बैठती है। सभी चोरों का सरनेम मोदी क्यों होता है...इस बयान से जुड़े मानहानि केस में राहुल गांधी को सूरत कोर्ट ने दोषी करार दिया। इस फैसले के 27 मिनट बाद कोर्ट ने उन्हें 2 साल की जेल की सजा सुनाई और 15 हजार का जुर्माना लगाया। इसके कुछ देर बाद कोर्ट ने उन्हें जमानत भी दे दी। साथ ही सजा को 30 दिन के लिए स्थगित कर दिया। सुनवाई के दौरान राहुल कोर्ट में मौजूद रहे। अब सजा के बाद कांग्रेसी जो भी तर्क दे रहे हों, मगर यह साबित हो चुका है कि राहुल गलत थे। लेकिन सिर्फ राहुल गांधी को ही केंद्र में रखकर बात करना ठीक नहीं होगा। हर पार्टी में ऐसे नेता हैं, जिनकी जुबान फिसलती रही है। इसलिए जुबान पर तालाबंदी करने का काम संसद के जरिए होगा। माना कि अभी इस संदर्भ में कानून है, मगर वह इतना ताकतवर नहीं है, जो नेताओं या आमजन में भय पैदा कर सके।

राजनेता अक्सर चुनावी उन्माद में भूल जाते हैं कि सार्वजनिक मंचों से क्या बोलना चाहिए और क्या नहीं बोलना चाहिए। कुछ दशक से जब धर्म को राजनीति से जोड़ कर जनाधार बनाने का प्रयास तेज हुआ है, तब से ऐसे बयानों की बाढ़-सी आ गई है, जिसमें सामाजिक ताने-बाने का खयालभुला दिया जाता है। ऐसे बयानों को लेकर पिछले दिनों सर्वोच्च न्यायालय ने नाराजगी जाहिर की और राजनेताओं को उनकी लोकतांत्रिक मर्यादा याद दिलाई थी। दरअसल, नेता इसलिए धर्म, जाति, समुदाय के खिलाफ व्यक्तिगत टिप्पणियां करने से गुरेज नहीं करते हैं कि उनके खिलाफ कानूनी कार्रवाई नहीं हो पाती। पर अब शायद राजनेताओं को कांग्रेस नेता राहुल गांधी के मामले से कुछ सबक मिले। राजनीति में प्रतिद्वंद्वी पर कटाक्ष करना, कमियों को सामने लाना और तीखे प्रहार करना गलत नहीं माना जाता।

विपक्षी दलों से तो अपेक्षा की जाती है कि वे सत्तापक्ष की गलत नीतियों, फैसलों व कामकाज के अनुचित तरीकों के खिलाफ आवाज उठाएं। मगर इसकी भी मर्यादा होती है। शालीन भाषा में भी गलत बातों का प्रतिकार किया जा सकता है, सत्ता की नीतियों का विरोध किया जा सकता है, बल्कि यही लोकतांत्रिक तरीका होता है। मगर कुछ दल मान बैठे हैं कि सत्ता पक्ष या अपने प्रतिपक्षी के खिलाफ वे जितनी कड़वी भाषा का इस्तेमाल करेंगे, जितना वे नेताओं पर व्यक्तिगत हमले करेंगे, उतना ही जनाधार बढ़ेगा। यह प्रवृत्ति बहुत खतरनाक रूप से बढ़ चुकी है। अब न केवल विपक्षी, बल्कि सत्ता पक्ष के नेता भी जवाबी हमले के रूप में खूब बढ़-चढ़ कर अशोभन, भड़काऊ और नफरत फैलाने वाले बयान देते नजर आते हैं। मगर अब इस पर रोक लगाने का समय आ गया है।

मशीनी मेधा से पैदा होती चुनौतियाँ

कृत्रिम मेधा अब कई अरब डालर का उद्योग बन गया है। मगर इसमें व्यक्ति से लेकर राष्ट्र तक की गोपनीयता भंग होने का खतरा भी है, जिसमें सुरक्षित डेटा रखना एक चिंता की बात है। कुछ मानते हैं कि कृत्रिम मेधा पर अत्यधिक निर्भरता मनुष्य की निजता और गरिमा के लिए खतरा हो सकता है। मगर यह तो तय है कि कृत्रिम मेधा हमारे रहन-सहन, काम करने, पढ़ने-पढ़ाने, शोध के तरीकों में व्यापक बदलाव लाने वाली है।

कृत्रिम मेधा यानी 'आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस' को लेकर चर्चा तेज हो गई है। जैसे-जैसे मानवीय जीवन की जटिलताएं बढ़ रही हैं, मनुष्य वैकल्पिक तरीकों से उनका समाधान निकालने का प्रयास कर रहा है। एक तरफ तो देश और दुनिया की बढ़ती आबादी है, जिसके लिए संसाधनों की चिंता करनी है, वहीं मनुष्य द्वारा किए जाने वाले कई काम अब कृत्रिम मेधा की मदद से किए जा रहे हैं। कृत्रिम मेधा युक्त मशीन वैसे ही काम कर रही है, जैसे मनुष्य करता है। निरंतर शोध का परिणाम है कि इस मशीन से गलती कम और काम की गति तेज हो रही है। विद्यार्थी के सीखने के तरीके के आधार पर उसको सहयोग देने, भाषा प्रसंस्करण करने और आनलाइन गेम खेलने से लेकर रोगों के उपचार, सर्जरी तक कृत्रिम मेधा की जरूरत पड़ रही है।

तकनीक के सहयोग से छात्रों को निर्देश और व्याख्यान दिए जा सकते हैं। कृत्रिम मेधा का उपयोग करके उत्तर कुंजी की मदद से परीक्षा का मूल्यांकन और आंकड़ों के जरिए छात्रों के परिणाम का विस्तृत विश्लेषण किया जा सकता है। उत्तर पुस्तिका में जो गलती छात्रों से हुई है, कृत्रिम मेधा के सहयोग से उसे भी आसानी से रेखांकित किया जा सकता है। कृत्रिम मेधा की शुरुआत वर्ष 1956 में जान मैकार्थी द्वारा की गई थी। इसके लिए कंप्यूटर द्वारा निर्मित रोबोटिक प्रणाली तैयार की जाती है, फिर उसे मानव मस्तिष्क के आधार पर साफ्टवेयर की मदद से प्रोग्रामिंग करके सोचने-समझने व चलाने का प्रयास किया जाता है। कृत्रिम मेधा विश्लेषण करती है कि मानव मस्तिष्क कैसे सोचता, समझता और सीखता है, फिर विश्लेषण के आधार पर 'अल्गोरिद्म' बनाती और काम करती है।

ऐसे ही यह विद्यार्थियों के कौशल और दक्षता का मूल्यांकन करके उन्हें उच्च दक्षता के लिए निर्देशित कर सकती है। कुछ कंपनियां कृत्रिम मेधा का उपयोग करके अलग-अलग उम्र के बच्चे के लिए रुचिकर गणित-भाषा के लिए आनलाइन और वीडियो गेम बना रही हैं। भाषा के व्याकरण, शब्द और वाक्य विन्यास जैसी अशुद्धियों को ठीक कर रही हैं। इस तरह के ऐप आने से भाषा-संपादन के लिए दूसरों पर निर्भरता कम होती जा रही है। 80 के दशक से पांचवीं पीढ़ी का कंप्यूटर बनाने की परियोजना शुरू हुई और फिर सुपर कंप्यूटर बनने लगे। 1997 आते-आते ऐसे सुपर कंप्यूटर बन गए, जिनका मस्तिष्क सामान्य मनुष्य से तेज चलने लगा। 'डीप ब्लू' नामक आईबीएम के कंप्यूटर का दिमाग इतना तेज हो गया कि उसने शतरंज के एक मशहूर खिलाड़ी को हरा दिया था। उसकी सफलता ने ऐसे कंप्यूटर बनाने का रास्ता खोला, जो कठिन गणितीय गणना, वित्तीय माडलिंग, बाजारों का रुझान, गंभीर खतरों का विश्लेषण आदि कर सकें।

'डीप ब्लू' के बाद की पीढ़ी के 'वाटसन' नामक कंप्यूटर ने फरवरी, 2011 में कृत्रिम मेधा के जरिए शतरंज के दो मशहूर खिलाड़ियों को हरा दिया। आज हर जरूरत के अनुसार कृत्रिम मेधा के माडल तैयार हैं-कुछ पूर्णतः प्रतिक्रियात्मक हैं, तो कुछ की स्मृति सीमित है। पर जिस तरह से विकसित और विकासशील देशों में शोध जारी हैं, आने वाले दिनों में मनुष्य के मस्तिष्क को बड़ी चुनौती कृत्रिम मेधा के माडल से मिलने वाली है। नए दौर के माडल मस्तिष्क सिद्धांत और आत्म-चेतन के आधार पर कार्य करेंगे। इसकी झलक 'चैट बोट' से मिलती है। इसके प्रमुख उदहारण, अलेक्सा, गूगल का अस्सिटेंस होम, एप्पल का सीरी आदि हैं। ये सभी 'चैट बोट', मशीनी प्रशिक्षण और आपके दिशा-निर्देश पर काम करते हैं।

'चैट बोट' दो तरह के होते हैं। एक, जो मौखिक निर्देश पर काम करते हैं और दूसरे, लिखित निर्देशन पर काम करते हैं। इन दिनों 'चैट जीपीटी' चर्चा में है। एक तरह का 'कंप्यूटर साफ्टवेयर लैंग्वेज माडल' है, जो 'की-इनपुट कमांड' पर काम करता है। कुछ दिनों पहले इसे जारी किया गया और देखते-देखते इसकी लोकप्रियता दुनिया भर में फैल गई। आपको कोई चिट्ठी बनानी है, कोई छोटा लेख लिखना है, कोई प्रस्ताव बनाना है, यह सब काम 'चैट जीपीटी' दस मिनट में ही कर देगा! इसके आने से ऐसी आशंका है कि इससे लाखों लोगों की नौकरी चली जाएगी। इससे शोध कार्य और 'कापी राइट' भी प्रभावित होने वाले हैं।

मान लीजिए, किसी छात्र को पर्यावरण पर एक लेख लिखना है और वह 'चैट जीपीटी' की मदद से वह लेख लिख दे, तो उस लेख का वास्तविक लेखक कौन हुआ, 'चैट जीपीटी', वह छात्र या 'चैट जीपीटी' ने जहां से सामग्री ली? मगर अभी यह जानना एक समस्या है कि 'चैट जीपीटी' कहां से सामग्री ले रहा है और वह जानकारी कितनी तथ्यपरक है? कृत्रिम मेधा की मदद से 24 घंटे काम करने वाली एक मशीन मिल जाएगी। वह स्वचालित तरीके से काम करेगी और गलतियां भी कम करेगी। मगर सवाल है कि क्या यह मशीन मानवीय रचनात्मकता का मुकाबला कर पाएगी? स्कूल-कालेज और विश्वविद्यालयों के प्रशासनिक कार्य, कक्षा में हाजिरी लेना आदि कृत्रिम मेधा की मदद से होगा, लेकिन शिक्षण के लिए एक 'हाइब्रिड माडल' के उभरने की संभावना है। मैथ्यू लिंच शिक्षा में कृत्रिम मेधा की बहुत संभावना देखते हैं। वे शिक्षक की पाठ योजना से लेकर भाषा सीखने, परीक्षा की तैयारी और छात्रों-अभिभावकों के साथ संवाद, व्यावसायिक प्रशिक्षण और मानव संसाधन के व्यवस्थापन आदि में उपयोगिता देखते हैं।

उच्च शिक्षा में कृत्रिम मेधा आजकल शोध कार्य में अकादमिक चोरी रोकने के लिए प्रयुक्त होती है। शोध छात्र को शोध प्रबंध के मौलिक होने का एक प्रमाणपत्र लेना होता है, तभी वह विश्वविद्यालय में शोधकार्य प्रस्तुत कर पाता है। कुछ साफ्टवेयर, शोधकार्य में किसी दूसरे से ली गई एक-एक लाइन को पकड़ लेते हैं। मगर अब 'चैट जीपीटी' को शोध में अकादमिक लेखन के लिए उपयोगी भी माना जा रहा है, क्योंकि इसके सहयोग से सामग्री का अनुवाद, लंबे लेख को संक्षेप में लिखने आदि में मदद मिल रही है। मगर इसकी सीमा यह है कि यह मौलिक विचार नहीं प्रस्तुत कर सकता। यह उपलब्ध सामग्री ही प्रस्तुत करता है और वह भी बिना संदर्भ के। इस तरह इसमें किसी और की सामग्री का इस्तेमाल होने और कभी पक्षपातपूर्ण रवैए का खतरा भी है।

भारत सरकार ने कृत्रिम मेधा के महत्व को पहचानते हुए शैक्षणिक संस्थानों में उत्कृष्टता केंद्र बनाने का निर्णय किया है। अब भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान हैदराबाद और कुछ अन्य संस्थान अब कृत्रिम मेधा में स्नातक कार्यक्रम चला रहे हैं। ऐसी संभावना है कि आने वाले दिनों में 'चैटबोट', 'रोबोटिक्स', 'मशीन लर्निंग' न सिर्फ शिक्षा व शिक्षक प्रशिक्षण में शामिल हो जाएंगे, बल्कि इनके अपने काम के मूल्यांकन की एक पद्धति भी विकसित हो जाएगी। बढ़ते प्रभाव से अकादमिक कार्यों की गुणवत्ता कैसी होगी, यह आने वाले वक्त में पता चलेगा। दुनिया भर में कृत्रिम मेधा, 'रोबोटिक्स', 'डिजिटल मैन्युफैक्चरिंग', 'बिग डाटा इंटेलिजेंस', 'रियल टाइम डाटा' और 'क्वांटम कम्युनिकेशन' के क्षेत्र में शोध, प्रशिक्षण, मानव संसाधन, कौशल विकास का कार्य बढ़ता जा रहा है। बहुत सारी कंपनियां इनका उपयोग व्यापारिक हित में कर रही हैं। कृत्रिम मेधा अब कई अरब डालर का उद्योग बन गया है।

संजीव राय
(वरिष्ठ पत्रकार)

राहुल गांधी को जमानत मिल गई है। हम कानून, न्यायपालिका में विश्वास करते हैं और हम कानून के अनुसार इसके खिलाफ लड़ेंगे और राहुल को सही साबित करेंगे।

मल्लिकार्जुन खड़गे, कांग्रेस अध्यक्ष

शब्दों की मर्यादा हमेशा बनी रहनी चाहिए। इस फैसले से कांग्रेस सांसद राहुल गांधी को सबक लेना चाहिए। राजनीतिक प्रतिद्वंद्विता अलग बात है और टिप्पणी अलग।

राजनाथ सिंह, रक्षा मंत्री

सत्यार्थ

भूरिश्वा की सलाह

महाभारत में जीवन को सुखी और सफल बनाने के कई सूत्र छिपे हैं। अगर इन सूत्रों को जीवन में उतार लिया जाए तो कई समस्याएं दूर की जा सकती हैं। महाभारत में दुर्योधन और उसके सभी कौरव भाई पांडव भाइयों को शत्रु मानते थे। कौरव पांडवों को खत्म करने के लिए तरह-तरह के षड़यंत्र रचते रहते थे, लेकिन उन्हें सफलता नहीं मिलती थी। एक दिन कौरवों की सभा हो रही थी। उस सभा में शकुनि ने अपनी कूटनीति बताई। शकुनि बोला कि जब तक पांडवों के साथ कृष्ण और बलराम हैं, तब तक उन्हें सामने से खत्म नहीं किया जा सकता है। हमें जब भी अवसर मिले, शत्रुओं को मार देना चाहिए। पांडवों को जड़ से मिटाना होगा, वर्ना एक दिन पांडव कौरवों पर भारी पड़ जाएंगे। जब कृष्ण और बलराम पांडवों के आसपास न हो, उसी समय पांचों भाइयों का वध कर देना चाहिए। कौरवों की सभा में सोमदत्त के पुत्र भूरिश्वा भी मौजूद थे। (महाभारत युद्ध में भूरिश्वा भीष्म के 11 सेनापतियों में से एक थे। युद्ध के 14वें दिन अर्जुन ने भूरिश्वा का वध किया था।) भूरिश्वा ने शकुनि की बातें सुनीं तो उसने कहा कि इस समय पांडवों के पास समर्थ मित्र और खजाना दोनों हैं। उनके साथ कई बड़े-बड़े राजा हैं, वे खुद बहुत शक्तिशाली हैं। ऐसे में आप गलत नीति न बताएं। उन्हें छल करके मारना भी संभव नहीं है। सभा में किसी ने भी भूरिश्वा की सलाह नहीं मानी, लेकिन शकुनि की बातें मान लीं। इसका नतीजा ये हुआ कि महाभारत युद्ध हुआ और पांडवों ने सभी कौरवों का वध कर दिया। इस प्रसंग का संदेश ये है कि घर-परिवार में जब भी हमें कोई अच्छी सलाह दे तो उसे मान लेना चाहिए। कभी-कभी किसी की सही सलाह भी हमें अच्छी नहीं लगती है। जिस तरह भूरिश्वा की सलाह कौरवों को अच्छी नहीं लगी और उन्होंने उस सलाह को नहीं माना, इस कारण पूरा कौरव वंश ही खत्म हो गया। किसी की सलाह भले ही हमें चुभ रही है, लेकिन सही है तो उसे मान लेना चाहिए।

आरडी गर्ग

युवाओं को रोज़गार देने के मामले में देश में अग्रणी राजस्थान: गहलोत

हिलव्यू समाचार

जयपुर। मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने कहा कि राज्य सरकार युवाओं के सपने साकार करने के लिए उचित अवसर उपलब्ध कराने को प्रतिबद्ध है। आज देश में महंगाई और बेरोजगारी सबसे बड़ी समस्याएं हैं। राज्य सरकार युवाओं और छात्रों को केन्द्र में रखकर नीतियां बना रही है। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश में आयोजित हो रहे जॉब फेयर में युवा पूरे उत्साह के साथ भाग ले रहे हैं तथा उन्हें रोजगार के नए अवसर मिल रहे हैं। गहलोत गुरुवार को भरतपुर में मेगा जॉब फेयर के शुभारंभ समारोह को संबोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री ने युवाओं से संवाद किया एवं रोजगार प्राप्त करने वाले युवाओं को ऑफर लैटर प्रदान किए।

उन्होंने कहा कि ऐसे जॉब फेयर अब हर जिले में आयोजित कराए जा रहे हैं। इस दौरान मुख्यमंत्री ने इंदिरा गांधी शहरी क्रेडिट कार्ड योजना के लाभार्थियों को चेक प्रदान किए।

मिल रहे बड़े स्तर पर रोजगार के अवसर

मुख्यमंत्री ने कहा कि राजस्थान देश में युवाओं को निजी और सरकारी क्षेत्रों में रोजगार उपलब्ध करवाने वाला अग्रणी राज्य है। राज्य सरकार द्वारा सरकारी नौकरियां देने के साथ निजी क्षेत्र में भी बड़े स्तर पर रोजगार के अवसर सृजित हो रहे हैं। उन्होंने कहा कि अब उपखण्ड स्तर पर भी रीको औद्योगिक क्षेत्र स्थापित किए जा रहे हैं। इससे युवाओं को स्थानीय स्तर पर ही रोजगार मिल सकेंगे। राज्य सरकार की नीतियों से प्रदेश में निवेश के लिए अनुकूल माहौल बना है। नए एमएसएमई कानून के माध्यम से सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्योगों को प्रोत्साहन दिया जा रहा है। इससे नए उद्यमियों को ब्याज-मुक्त ऋण मिल रहा है। इन सुविधाओं के चलते राजस्थान निवेशकों का मुख्य आकर्षण बन चुका है। उन्होंने कहा कि हाल ही में आयोजित इन्वेस्ट राजस्थान समिट में 11 लाख करोड़ रुपए के एमओयू हुए हैं। इनसे लगभग 10 लाख रोजगार उत्पन्न होने की संभावना है।

1300 से अधिक युवाओं को सौंपे जॉब ऑफर लेटर

जॉब फेयर में 60 से अधिक नियोक्ता संस्थान भाग ले रहे हैं। इससे 10 हजार से अधिक युवाओं के लिए रोजगार के अवसर उपलब्ध होंगे। प्रथम पारी में ही 1300 से अधिक युवाओं को जॉब ऑफर लेटर सौंपे गए। मुख्यमंत्री ने नियोक्ता संस्थाओं की स्टाल्स का अवलोकन किया। कार्यक्रम में कौशल, नियोजन एवं उद्यमिता राज्य मंत्री अशोक चांदना, पर्यटन मंत्री विश्वेन्द्र सिंह, पंचायतीराज मंत्री रमेश मीणा, सार्वजनिक निर्माण मंत्री भजनलाल जाटव, देवनारायण बोर्ड अध्यक्ष जोगिन्दर सिंह अवाना भी मौजूद रहे।

एक नज़र

खातीपुरा में श्रद्धांजलि सभा

शहीद दिवस पर निकाली वाहन रैली, 500 वाहन हुए शामिल

हिलव्यू समाचार

जयपुर। भगतसिंह के शहीद दिवस के उपलक्ष्य में गुरुवार को खातीपुरा में श्रद्धांजलि सभा और विशाल वाहन रैली का आयोजन किया गया। इसके आयोजक विष्णु प्रताप सिंह ने बताया कि सुबह खातीपुरा तिराहे पर अमर शहीद भगत सिंह को श्रद्धांजलि अर्पित की गई। इसके बाद खातीपुरा तिराहे से विशाल वाहन रैली आयोजित हुई जो खातीपुरा तिराहे से रवाना होकर जसवंत नगर, चांदबिहारी नगर, सत्य नगर, खातीपुरा रोड, झोटवाड़ा सर्किल, चौमूं पुलिया, ढेहर का बालाजी, सीकर रोड और मुरलीपुरा होते हुए विद्याधर नगर पहुंची। यहां पहुंचकर यह रैली जनसभा में तब्दील हो गई, जहां वक्ताओं ने शहीद भगत सिंह के व्यक्तित्व पर प्रकाश डालते हुए युवाओं को अमर शहीद के जीवन में व्याप्त देशभक्ति की भावना से अवगत करवाया। विष्णु प्रताप सिंह ने बताया कि रैली का उद्देश्य युवाओं में भगत सिंह, राजगुरु व सुखदेव के आदर्शों की स्थापना करना था। रैली में करीब दो सौ चौपहिया और तीन सौ दुपहिया वाहन शामिल हुए।

वाहन सवार देशभक्ति के नारे लगाते हुए चल रहे थे। मार्ग में अनेक स्थानों पर रैली का व्यापार मंडलों, सामाजिक संगठनों और आम जनों ने पुष्प वर्षा कर स्वागत और अभिनंदन किया। विद्याधर नगर पहुंचने के बाद रैली में शामिल लोगों ने पूर्व उपराष्ट्रपति भैरोसिंह शेखावत की विद्याधर नगर स्टेडियम स्थित समाधि पर पुष्पांजलि अर्पित की।

राज्य स्तरीय कार्यक्रम: शिक्षा मंत्री डॉ. बी.डी. कल्ला ने किया संबोधित

स्कूल विकास समितियों को सर्वश्रेष्ठ कार्य के लिए 1-1 लाख रुपए का पुरस्कार

हिलव्यू समाचार

जयपुर। प्रदेश के सरकारी स्कूलों के प्रबंधन एवं विकास में सर्वश्रेष्ठ कार्य करने वाली एसएमसी और एसडीएमसी समितियों को सम्मानित किया गया। बुधवार को शिक्षा संकुल में आयोजित राज्य स्तरीय वर्चुअल कार्यक्रम में 66 समितियों को पुरस्कृत किया गया। शिक्षा मंत्री डॉ. बी. डी. कल्ला के मुख्य आतिथ्य और शिक्षा राज्य मंत्री जाहिदा खान की अध्यक्षता में आयोजित इस कार्यक्रम में 33 जिलों से राज्य स्तरीय पुरस्कार के लिए चयनित एक-एक एसएमसी और एसडीएमसी के नामों की घोषणा की गई। समितियों को एक-एक लाख रुपए की पुरस्कार राशि दी गई है। कार्यक्रम में बी. डी. कल्ला ने कहा कि प्रदेश के स्कूलों के विकास एवं संवर्द्धन में एसएमसी एवं एसडीएमसी स्वस्थ प्रतिस्पर्धा की भावना से नवाचारों की संवाहक बनें। विद्यालयों में एसएमसी एवं एसडीएमसी की स्थापना और सर्वश्रेष्ठ समितियों को राज्य स्तर पर पुरस्कृत करने की योजना इसी परिकल्पना पर आधारित है। उन्होंने कहा कि समिति सदस्य से अपील की कि वे विद्यालय विकास से सम्बंधित कार्यों के लिए आगामी 25 सालों का मास्टर प्लान बनाएं और शैक्षिक विकास से सम्बंधित सभी गतिविधियों का प्रभावी सुपरविजन भी करें।

फरहान ने 'नीति' को सराहा

जयपुर। बॉलीवुड एक्टर फरहान अख्तर ने पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए राजस्थान सरकार की फिल्म पर्यटन प्रोत्साहन नीति की सराहना की। फरहान ने यहां अपनी फिल्म जी ले जरा की शूटिंग में गहरी दिलचस्पी दिखाई। अभिनेता ने जयपुर में प्रमुख सचिव, पर्यटन गायत्री राठौड से मुलाकात की। फरहान ने कहा कि राजस्थान सरकार की फिल्म पर्यटन प्रोत्साहन नीति सराहनीय है। यह न केवल फिल्म पर्यटन को बढ़ावा देगी, बल्कि राज्य में और अधिक पर्यटकों को आकर्षित करेगी। फिल्म निर्माताओं और प्रोडक्शन हाउस को अनुमति और मंजूरी प्राप्त करने और राज्य में विभिन्न फिल्मांकन स्थानों तक पहुंच प्रदान करने में सहायता प्रदान करता है।

प्रशिक्षु आरपीएस के 53वें बैच का दीक्षांत परेड समारोह

पुलिसिंग में नई चुनौतियां, क्राइम पर तकनीक से कसें नकेल: CM

हिलव्यू समाचार

जयपुर। वर्तमान में पुलिसिंग के कार्य में नई चुनौतियां सामने आ रही हैं। इसलिए अधिकारियों को अनुसंधान में नए वैज्ञानिक तरीकों और उन्नत तकनीक को बढ़ावा देना होगा। साइबर क्राइम, मादक पदार्थ, अवैध हथियारों से जुड़े अपराधियों और भू-माफिया पर कड़ी कानूनी कार्रवाई करना हमारी प्राथमिकताओं में शामिल है।

मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने बुधवार को यह बात राजस्थान पुलिस अकादमी में प्रशिक्षु आरपीएस के 53वें बैच के दीक्षांत परेड समारोह को संबोधित करते हुए कहीं।

आमजन के प्रति पुलिस का संवेदनशील व्यवहार

मुख्यमंत्री गहलोत ने प्रशिक्षु पुलिस अधिकारियों की मुख्य अतिथि के रूप में सलामी ली और परेड का निरीक्षण किया। सीएम ने कहा कि राज्य सरकार जवाबदेह, पारदर्शी एवं संवेदनशील पुलिस प्रशासन देने के लिए संकल्पित है। सीएम ने प्रशिक्षु आरपीएस से कहा कि वे गांधीजी के बताए रास्ते पर चलकर दायित्वों की पालना करें।

महिलाओं को हर क्षेत्र मिले प्रतिनिधित्व

गहलोत ने कहा कि महिलाओं का हर क्षेत्र में प्रतिनिधित्व सुनिश्चित करने के लिए राज्य सरकार काम कर रही है। इसी का परिणाम है कि राजस्थान पुलिस में महिलाओं की संख्या बढ़ी है। पास आउट परेड में भी 35 प्रशिक्षुओं में से 13 महिला पुलिस अधिकारी हैं। मुख्यमंत्री ने महिला पुलिसकर्मियों का सेंट्रल बैंड स्थापित करने और प्रदेश में सर्वश्रेष्ठ पुलिस प्रशिक्षण अकादमी, सर्वश्रेष्ठ प्रशिक्षक को पुरस्कृत करने की घोषणा की।

श्रेष्ठ प्रशिक्षुओं, पुलिसकर्मियों को किया पुरस्कृत

मुख्यमंत्री ने श्रेष्ठ प्रशिक्षणार्थियों को पुरस्कृत किया गया। उन्होंने कृष्णराज जांगिड़, मेघा गोयल, मीनाक्षी को पुरस्कृत किया। सीएम ने अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक माधोसिंह सोढा, राजेन्द्र नैन को राष्ट्रपति पुलिस पदक दिया। कार्यक्रम में डीजीपी उमेश मिश्रा ने अधिकारियों से पूर्ण निष्ठा, ईमानदारी व सेवा भावना से काम करने का आह्वान किया। इस अवसर पर मंत्री प्रताप सिंह खाचरियावास, गृह राज्यमंत्री राजेन्द्र यादव, सीएस उषा शर्मा, प्रमुख शासन सचिव गृह आनन्द कुमार, आरपीए निदेशक राजीव शर्मा, डीजी साइबर क्राइम डॉ. रवि मेहरड़ा, एडीजी क्राइम दिनेश एमएन सहित पुलिस अधिकारी व प्रशिक्षणार्थी आरपीएस के परिजन भी उपस्थित रहे।

स्वास्थ्य कर्मियों का सम्मान

2025 तक टीबी मुक्त होगा राजस्थान

हिलव्यू समाचार

जयपुर। प्रदेश में 2025 तक टीबी मुक्त करने के लिए राज्य सरकार द्वारा लगातार प्रयास किया जा रहा है। विश्व टीबी रोग दिवस के अवसर पर बुधवार को टीबी उन्मूलन के लिए उल्लेखनीय कार्य करने वाले कार्मिकों के राज्यस्तरीय सम्मान समारोह के दौरान यह विश्वास व्यक्त किया। इस दौरान मंत्री ने कहा कि प्रदेश में टीबी के सम्पूर्ण उन्मूलन के लिए पूरी कटिबद्धता के साथ प्रयास किए जा रहे हैं।

उन्होंने कहा कि हम सबका यह दायित्व है कि इस रोग के बारे में जानकारी और उपलब्ध उपचार सुविधा के अभाव में किसी भी रोगी को परेशानियों का सामना नहीं करना पड़े। उन्होंने कहा कि राजस्थान सरकार गरीबी में जीवन-यापन करने वाले हर आम व्यक्ति तक प्रभावी चिकित्सा सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिए दृढ़ संकल्पित है। चिकित्सा मंत्री ने कहा कि राज्य में अब प्रति परिवार प्रतिवर्ष 25 लाख रुपए तक की राशि का कैशलैस उपचार मुख्यमंत्री चिरंजीवी स्वास्थ्य बीमा योजना के अंतर्गत करवाया जा सकता है। उन्होंने बताया कि हर प्रदेशवासी को सभी राजकीय चिकित्सालयों में मुख्यमंत्री निशुल्क निरोगी राजस्थान योजना के अंतर्गत आईपीडी व ओपीडी में सभी उपचार सेवाएं निशुल्क उपलब्ध हैं। चिकित्सा एवं स्वास्थ्य शासन सचिव डॉ. पृथ्वी ने बताया कि केन्द्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय के अनुसार वर्ष 2025 तक देश से टीबी रोग के उन्मूलन का लक्ष्य निर्धारित है।

धर्म की राजनीति पर मुख्यमंत्री अशोक गहलोत का प्रहार: अप्रत्यक्ष रूप से भाजपा पर साधा निशाना

हिंदू-मुस्लिम करके हमें चुनाव हरवाते हैं, मैं हिंदू नहीं क्या?

जयपुर। मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने धर्म के नाम पर राजनीति करने का आरोप लगाते हुए अप्रत्यक्ष रूप से निशाना भाजपा पर साधा है। उन्होंने कहा कि धर्म के नाम पर राजनीति करना उचित नहीं है। जातियों-बिरादरियों में धर्म के नाम पर कट्टरता बढ़ती है, वह देशहित में नहीं है। प्रेम और भाईचारा ही जिंदगी में काम आता है। 1000 साल उम्र होती तो फिर भी बात कर सकते थे कि अभी जिंदगी कितनी पड़ी है। गहलोत ने बुधवार को दुर्गापुरा स्थित स्टेट इंस्टीट्यूट ऑफ एग्रीकल्चर मैनेजमेंट में पशुपालक सम्मान समारोह के मंच से सवाल करते हुए कहा कि मैं हिंदू नहीं हूं क्या? आपको क्या लगता है? ये क्या हैं, यहां पर ये बैठे हुए हिंदू हैं कि मुसलमान। आप बताइए, ये हिंदू-मुस्लिम की राजनीति करके हमें चुनाव हरवाते हैं।

देश में पहली बार बनाया गोसेवा निदेशालय

गहलोत ने भाजपा पर भी निशाना साधते हुए कहा कि हिंदू-मुस्लिम और मंदिर, मस्जिद के नाम पर अब राजनीति होती है। इससे कटुता बढ़ती है। दूसरी बार मुख्यमंत्री रहते हुए देश में पहली बार गोसेवा निदेशालय बनाया। चार साल में गोशालाओं को अनुदान के 2313 करोड़ दिए। भाजपा आई तो इस अनुदान को कम कर दिया गया। अब हमने नंदीशालाओं के लिए 12 महीने का अनुदान कर दिया है।

क्राइम पर बरतेंगे पूरी कड़ाई

आरपीए में प्रशिक्षु आरपीएस के 53वें बैच के दीक्षांत परेड समारोह के बाद मीडिया से बातचीत में गहलोत ने कहा कि जोधपुर, बीकानेर, उदयपुर और नागौर में अपराधियों के विरुद्ध लगातार अभियान चल रहा है। हम लोग छोड़ेंगे नहीं इनको, जितने अपराधी हैं उनको समझ जाना चाहिए कि उनके दिन लद गए हैं, क्योंकि किस प्रकार से जो हरकतें हो रही हैं... दूसरे प्रदेशों से जो अपराधी यहां पर आते हैं, सबका इलाज कर रहे हैं यहां पर। हम चाहेंगे कि यहां सुख-शांति, चैन, मोहब्बत रहे, भाईचारा रहे और किसी तरह की हरकतें नहीं हो।

जनता के ट्रस्टी की तरह करें काम: CM

गहलोत ने कहा कि हर नौकरशाह, राजनेता, चिकित्सक, इंजीनियर कोई भी हो सबको जनता के ट्रस्टी के रूप में काम करना चाहिए। जन सेवा के रूप में काम करना चाहिए, इसलिए मैंने कहा कि यह नौकरी नहीं होती है। नौकरी के साथ में सेवा भी होती है। 2019 की तुलना में राज्य में पांच प्रतिशत अपराध कम हुए हैं, जबकि 17 राज्यों में अपराधों की संख्या बढ़ी हैं। गुजरात में 69 प्रतिशत, हरियाणा में 24 प्रतिशत तथा मध्यप्रदेश में 20 प्रतिशत बढ़ोतरी दर्ज की गई है। उन्होंने कहा कि महिला अपराधों की रोकथाम राज्य सरकार की मुख्य प्राथमिकता है।

भाजपा जनाक्रोश सभाओं के जरिए घेरेगी प्रदेश की कांग्रेस सरकार को

बिना विधायक दल की बैठक के बजट सत्र समाप्त: राठौड़

हिलव्यू समाचार

प्रदेश भाजपा ने राज्य सरकार पर हमला बोला है। उपनेता प्रतिपक्ष राजेन्द्र राठौड़ बुधवार को भाजपा प्रदेश मुख्यालय पर जनाक्रोश सभाओं की जानकारी दे रहे थे। इस दौरान उन्होंने कांग्रेस विधायक दल की बैठक नहीं बुलाने, डॉक्टर्स पर लाठीचार्ज, ईआरसीपी और ओल्ड पेंशन स्कीम सहित कई मुद्दों पर राज्य सरकार व सीएम पर हमला बोला।

उपनेता प्रतिपक्ष राजेन्द्र राठौड़ ने कहा कि पार्टी के जन आक्रोश अभियान के दूसरे चरण की शुरुआत हो चुकी है। राजस्थान के प्रत्येक जिले में 16 मार्च से अप्रैल के मध्य तक जन आक्रोश घेराव होगा। इसके तहत किसान कर्ज माफी, पेपर लीक, भ्रष्टाचार, बिगड़ी कानून व्यवस्था, महिलाओं के खिलाफ अपराध को लेकर कांग्रेस सरकार की वादा खिलाफी के खिलाफ प्रत्येक जिला कलेक्ट्रेट पर भाजपा घेराव करेगी। साथ ही सभा के माध्यम से जनता को सरकार की विफलताएं गिनाएगी।

सरकार पूर्ण रूप से फेल

राठौड़ ने आरोप लगाते हुए कहा कि राजस्थान सरकार फेल हो चुकी है, जहां अस्पताल के ब्लड बैंक से श्वान खून पी जाते हैं। किसानों की जमीन नीलाम हो जाती है। मुख्यमंत्री जीपीएफ लागू करने की घोषणा करते हैं, लेकिन कर नहीं पाते हैं। कग्रेस सरकार की कथनी और करनी में बहुत ही अंतर है। राजस्थान सरकार की बजट में हुई चार साल की 50 प्रतिशत घोषणाएं भी पूरी नहीं हुई। राठौड़ ने सरकार से घोषणाओं को लेकर श्वेत पत्र जारी करने की मांग की। मुख्यमंत्री को लेकर राठौड़ ने कहा कि रिफाइनरी को अक्टूबर तक पूरा कर दिया जाएगा, लेकिन अभी कार्य ठंडे बस्ते में है। कांग्रेस संस्थागत भ्रष्टाचार करने में शुरू से ही माहिर है।

चिरंजीवी योजना में भ्रष्टाचार और हेराफेरी

राठौड़ ने आरोप लगाए कि चिरंजीवी योजना के नाम पर भ्रष्टाचार-हेराफेरी हो रही है। यदि अस्पताल 1 घंटा भी बंद रहता है तो कई जिंदगियां जा सकती हैं। कांग्रेस सरकार को चिकित्साकर्मियों से संवेदनशीलता के साथ बात करनी चाहिए। सरकार चिकित्सकों से बर्बरतापूर्वक व्यवहार करेगी तो भाजपा चिकित्साकर्मियों का सहयोग करेगी। साथ ही डॉक्टरों से भी अपील करते हैं कि मरीजों का इलाज जारी रखना चाहिए। इतिहास में पहली बार है जब चिकित्सकों पर लाठियां बरसाई गई हैं। राठौड़ ने कहा कि वह राइट टू हेल्थ बिल के विरोध में नहीं हैं, लेकिन सरकार को इस कानून को लाने से पहले अपने सरकारी आधारभूत ढांचे को मजबूत करने की जरूरत थी।

लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला के प्रयासों से दोनों टाइगर रिजर्व के लिए केंद्र से मिलेंगे 8 करोड़ रुपए

मुकुंदरा और रामगढ़ टाइगर रिजर्व में छोड़ी जाएंगी बाघिन

हिलव्यू समाचार

कोटा। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला के प्रयासों से कोटा-बूंदी के दोनों टाइगर रिजर्व को जल्द बड़ी सौगात मिलेगी। मुकुंदरा हिल्स टाइगर रिजर्व और रामगढ़ विषधारी टाइगर रिजर्व में जल्द एक-एक बाघिन छोड़ी जाएगी। इसके अलावा दोनों टाइगर रिजर्व के विकास के लिए केंद्रीय वन एवं पर्यावरण मंत्रालय 8 करोड़ रुपए भी जारी करेगा।

लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला और केंद्रीय वन एवं पर्यावरण मंत्री भूपेंद्र यादव की उपस्थिति में गुरुवार को मुकुंदरा हिल्स और रामगढ़ विषधारी टाइगर रिजर्व को लेकर बैठक हुई। बैठक में स्पीकर बिरला ने तत्काल दोनों टाइगर रिजर्व में बाघिन तथा अन्य वन्यजीवों छोड़े जाने की आवश्यकता पर बल दिया। चर्चा के बाद तय हुआ कि दोनों टाइगर रिजर्व में एक-एक बाघिन और अन्य वन्यजीव छोड़े जाएंगे।

बैठक में केंद्रीय वन एवं पर्यावरण मंत्रालय में महानिदेशक वन सीपी गोयल, एनटीसीए के सदस्य सचिव डॉ. एसपी यादव, वन विभाग के प्रमुख शासन सचिव शिखर अग्रवाल, लोक सभा में संयुक्त सचिव सिद्धार्थ महाजन, लोक सभा अध्यक्ष के ओएसडी राजीव दत्ता उपस्थित रहे।

चंबल में रिवर क्रूज की भी मिलेगी मंजूरी

चंबल नदी में रिवर क्रूज को लेकर भी बैठक में चर्चा की गई। चंबल नदी में राष्ट्रीय घड़ियाल अभयारण्य होने के कारण उसमें रिवर क्रूज के संचालन के लिए केंद्रीय स्तर से स्वीकृति की आवश्यकता है। बैठक में तय किया गया कि आरटीडीसी या अन्य किसी एजेंसी से इस संबंध में प्रस्ताव आने पर उसे स्वीकृति प्रदान कर दी जाएगी। इस स्वीकृति के जारी होने के बाद चम्बल नदी में कोटा बैराज से जवाहर सागर तक रिवर क्रूज प्रारंभ होने की संभावना बढ़ जाएगी।

राजस्थान में पहली बार आएंगे गौर

बैठक में मुकुंदरा और रामगढ़ में जिन अन्य वन्यजीवों को छोड़ने पर सहमति बनी उनमें गौर और वाइल्ड डॉग्स शामिल हैं। राजस्थान में संभवतः पहली बार गौर को लाया जा रहा है। गौर दक्षिण एशिया और दक्षिण पूर्व एशिया मे पाया जाने वाला एक बड़ा, काले लोम से ढका गोजातीय पशु है। आज इसकी सबसे बड़ी आबादी भारत में पाई जाती हैं। गौर जंगली मवेशियों मे से सबसे बड़ा होता है।

दूध उत्पादन में राजस्थान अव्वल, 415 पशुपालकों का किया सम्मान

हिलव्यू समाचार

जयपुर। पशुपालन के क्षेत्र में श्रेष्ठ कार्य करने वाले प्रदेश के 415 पशुपालकों को मुख्यमंत्री ने सम्मानित किया। बुधवार को दुर्गापुरा स्थित कृषि अनुसंधान सभागार में राज्य स्तरीय पशुपालक सम्मान समारोह आयोजित हुआ। इसमें मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने सुरेन्द्र अवाना और प्रेम सिंह राव को राज्य स्तर पर सम्मानित कर 50-50 हजार रुपए प्रोत्साहन के रूप में दिए। वहीं जिला स्तर पर सम्मानित होने वाली 7 महिला पशुपालकों सहित 68 पशुपालकों को 25-25 हजार रुपए और पंचायत समिति स्तर पर सम्मानित होने वाली 18 महिला पशुपालकों सहित 345 पशुपालकों को 10-10 हजार प्रोत्साहन स्वरुप दिए गए। इस दौरान मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने कहा कि राज्य सरकार द्वारा पशुपालन के क्षेत्र में किए गए कार्य से राजस्थान पूरे देश में सर्वाधिक दूध उत्पादन करने वाला राज्य बन गया है। पूरे देश के 15.05 प्रतिशत दूध का उत्पादन राजस्थान में हो रहा है। गहलोत ने कहा कि गुजरात की अमूल डेयरी ने जो काम किया है, सरस को उससे आगे ले जाना है। पशुपालकों को चारे-पानी की परेशानी हो रही है, इसके लिए सहकारिता मूवमेंट को बढ़ाना होगा। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार पशुपालकों को प्रतिवर्ष सम्मानित कर रही है। इस पहल से पशुपालन के क्षेत्र में सकारात्मक बदलाव आया है। किसानों के लिए अलग बजट पेश करने वाला राजस्थान पहला राज्य है।

दूध पर दिया प्रति ली. 5 रुपए का अनुदान

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश में पशुपालन को प्रोत्साहन दिया जा रहा है। एक हजार 189 ग्राम पंचायतों में नए पशु चिकित्सा उपकेन्द्र तथा 4 नए पशु चिकित्सालय खोले गए हैं। 2639 ग्राम पंचायतों में पशु चिकित्सा उपकेन्द्र खोलने की घोषणा की जा चुकी है। राज्य सरकार द्वारा पशुपालकों को आर्थिक संबल देने के लिए दूध पर प्रति लीटर 5 रुपए का अनुदान दिया जा रहा है। उन्होंने बताया की राज्य सरकार की ओर से 2 दुधारू पशुओं का 40-40 हजार रुपए का बीमा किया जाएगा। पशुपालन मंत्री लालचंद कटारिया ने कहा कि चार साल में पशुपालन के क्षेत्र में नए आयाम स्थापित हुए हैं। फसल बीमा योजना के तहत 18.5 हजार करोड़ का फसल बीमा वितरित कर राजस्थान पूरे देश में पहले स्थान पर है।

बिल पास करने की एवज में मांगी थी रिश्वत

PWD का अधीक्षण अभियंता छह लाख रुपए की घूस लेते गिरफ्तार

हिलव्यू समाचार

अलवर। प्रदेश में घूसखोर सरकारी अधिकारी और कर्मचारियों पर एसीबी की कार्रवाई लगातार जारी है। इसी कड़ी में अलवर जिले में एसीबी टीम ने बुधवार को बड़ी कार्रवाई को अंजाम दिया। टीम ने पीडब्ल्यूडी के क्वालिटी कंट्रोलर अधीक्षण अभियंता रामेश्वर सिंह को 6 लाख रुपए की रिश्वत लेते गिरफ्तार कर लिया। आरोपी अधिकारी ने ठेकेदार से निर्माण कार्य के बिल पास करने की एवज में 10 लाख रुपए की रिश्वत मांगी थी। ट्रैप कार्रवाई से पूर्व आरोपी चार लाख रुपए ले चुका था। शिकायत के बाद एसीबी के एएसपी विजय सिंह के नेतृत्व में टीम ने कार्रवाई को अंजाम दिया। फिलहाल, एसीबी की टीम आरोपी से पूछताछ में जुटी है।

एएसपी विजय सिंह ने बताया कि अलवर भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो की टीम ने बुधवार दोपहर में सार्वजनिक निर्माण विभाग के क्वालिटी कंट्रोल के अधीक्षण अभियंता रामेश्वर सिंह जाटव को भवानी तोप के समीप सरस डेयरी के सामने होंडा सिटी कार में 6 लाख रुपए की रिश्वत लेते गिरफ्तार किया। आरोपी ने सड़क निर्माण कार्य के तीन करोड़ के बिल पास करने की एवज में दस लाख रुपए की रिश्वत मांगी थी। इस मामले में रामेश्वर सिंह जाटव परिवादी से पूर्व में चार लाख रुपए की रिश्वत ले चुका था।

उन्होंने बताया कि पीडब्ल्यूडी विभाग में क्वालिटी कंट्रोल अधीक्षण अभियंता के पद पर कार्यरत रामेश्वर सिंह जाटव के खिलाफ परिवादी ने अलवर एसीबी कार्यालय में पेश होकर शिकायत दर्ज करवाई थी। इसमें परिवारी ने बताया था कि पीडब्ल्यूडी विभाग में क्वालिटी कंट्रोल अधीक्षण अभियंता के पद पर कार्यरत रामेश्वर सिंह जाटव तीन करोड़ के बिल पास करने की एवज में दस लाख रुपए की रिश्वत मांग कर परेशान कर रहा है। पूर्व में रामेश्वर सिंह ठेकेदार से ढाई लाख और डेढ़ लाख रुपए की रिश्वत ले चुका है। इसके बाद भी बिल पास नहीं कर रहा है और पहले 6 लाख रुपए की रिश्वत मांग रहा है। एसीबी की टीम ने शिकायत का सत्यापन कराया तो शिकायत सही पाई गई। इसके बाद बुधवार दोपहर 6 लाख रुपए की डमी राशि लेकर ठेकेदार को रामेश्वर सिंह जाटव निवासी नगर के पास भेजा। एसीबी की टीम ने भवानी तोप के समीप सरस डेयरी के सामने होंडा सिटी कार में रामेश्वर सिंह को 6 लाख रुपए की रिश्वत लेते धर-दबोच लिया। एसीबी की टीम आरोपी के ठिकानों पर तलाशी कर रही है।

उधर जोधपुर में SHO और ASI हुए ट्रैप

जोधपुर। जोधपुर में भी मंगलवार देर रात एसीबी की टीम ने बड़ी कार्रवाई करते हुए सदर बाजार थाने के एएसआई को साढ़े तीन लाख रुपए रिश्वत लेते गिरफ्तार कर लिया। इस मामले में एसएचओ को भी गिरफ्तार किया है। एएसआई ने थाना अधिकारी सुरेश पोटलिया के लिए पीड़ित से 5 लाख रुपए की रिश्वत मांगी थी। पीड़ित ने मिन्नतें की तो एएसआई ने 50 हजार रुपए कम कर साढ़े 4 लाख रुपए लेना तय किया। हालांकि, बाद में साढ़े 3 लाख रुपए में सौदा तय हुआ था। इसके बाद पीड़ित ने एसीबी से शिकायत की। शिकायत सही पाए जाने पर एसीबी की टीम ने कार्रवाई की। भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो के अतिरिक्त महानिदेशक हेमन्त प्रियदर्शी (अतिरिक्त चार्ज महानिदेशक) ने बताया कि एसीबी की जोधपुर इकाई को परिवादी द्वारा शिकायत दी गई कि उसकी रिपोर्ट पर दूसरे पक्ष के विरूद्ध कानूनी कार्रवाई करने की एवज में सुरेश पटोलिया और नन्दकिशोर 5 लाख रुपए रिश्वत राशि की मांग कर परेशान कर रहे हैं। एसीबी ने पूछताछ के बाद थानाधिकारी सुरेश पोटलिया और एएसआई नंदकिशोर को मंगलवार देर रात 2 बजे गिरफ्तार कर लिया।

एक नज़र

नई दिल्ली में राष्ट्रपति ने किया सम्मानित

जयपुर जिले के लक्ष्मण सिंह को मिला पद्मश्री सम्मान

हिलव्यू समाचार

जयपुर। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने नई दिल्ली में बुधवार को राजस्थान के लक्ष्मण सिंह को सामाजिक कार्य के क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान के लिए पद्मश्री पुरस्कार से सम्मानित किया। लक्ष्मण सिंह एक गैर-सरकारी पंजीकृत स्वयंसेवी संगठन ग्राम विकास नवयुवक मंडल लपोरिया (जीवीएनएमएल) के संस्थापक और सचिव हैं। उन्हें सामुदायिक नेतृत्व वाले सामूहिक प्रयासों के लिए जाना जाता है। इनमें 'चौका प्रणाली', इको-पार्क के माध्यम से पर्यावरण रक्षा (हरियाली बचाओ) और 'खुल्ला-चिड़ियाघर' शामिल हैं। अपने पैतृक गांव में जल संचयन और प्रबंधन की उनकी पहल और प्रयासों को भूजल पुनर्भरण के लिए प्रसिद्ध 'लापोरिया मॉडल' के रूप में जाना जाता है, जिससे ग्रामीण आजीविका मजबूत होती है। गौरतलब है कि 8 दिसम्बर 1959 को राजस्थान के जयपुर जिले के एक छोटे से गांव लापोरिया में जन्मे सिंह के माता-पिता ने उन्हें बेहतर शिक्षा के लिए जयपुर भेजा, लेकिन वह दसवीं की पढ़ाई छोड़कर घर लौट आए। लगभग उसी समय वह राजस्थान में सूखे की स्थिति से बुरी तरह विचलित और द्रवित हो गए। उनका गांव पानी की भीषण कमी से जूझ रहा था। इस कारण वह गांव के तालाब की मरम्मत करने के लिए प्रेरित हुए। उन्होंने गांव के कुछ युवाओं को अपने साथ जुड़ने और श्रमदान करने के लिए प्रोत्साहित किया।

'धरती जतन यात्रा' ने पूरे किए 35 साल

वर्ष 1987 में सिंह ने साझे संपदा साधनों के विकास और प्रबंधन के लिए जागरूकता पैदा करने के लिए एक अभियान 'धरती जतन यात्रा' शुरू की। इस यात्रा ने 35 वर्ष पूरे कर लिए हैं। उनके प्रयासों से अब तक 5 लाख से अधिक लोगों ने स्थानीय पर्यावरण की रक्षा की शपथ ली है। इसके अलावा लगभग 2 हजार तालाब की पूजा की गई। 4 लाख से अधिक वृक्षों को रक्षा सूत्र बांधा गया और 10 लाख से अधिक पौधे लगाए गए।

प्रदेश में अपराधियों की धरपकड़ का अभियान जारी

पुलिस की 31 टीमों ने पकड़े 44 बदमाश

हिलव्यू समाचार

भरतपुर। प्रदेश में अपराधियों की धर-पकड़ के लिए पुलिस का अभियान लगातार जारी है। इसी कड़ी में बुधवार को भरतपुर जिला पुलिस की 31 टीमों ने एक साथ दबिश देकर 44 बदमाशों को गिरफ्तार किया और 31 मामले दर्ज किए। इस दौरान पुलिस ने अपराधियों से हथियार और अवैध शराब भी जब्त की है। एसपी श्याम सिंह ने बताया कि असामाजिक तत्वों के विरुद्ध प्रभावी कार्रवाई करने के निर्देश पर जिले के सभी सीओ और एसएचओ के नेतृत्व में कुल 31 टीमें गठित की गईं। इन टीमों की ओर से एक साथ विभिन्न स्थानों पर दबिश देकर साइबर ठगों, अवैध शराब कारोबारियों, अवैध हथियार रखने वालों के विरुद्ध कार्रवाई करते हुए कुल 44 बदमाशों को गिरफ्तार कर उनके खिलाफ 31 आपराधिक प्रकरण दर्ज किए गए हैं। एसपी श्याम सिंह ने बताया कि अभियान के तहत थाना कैथवाडा में 4 साइबर ठगों को गिरफ्तार कर एक क्रेटा कार, दो आईफोन, 3 मोबाइल और 4 फर्जी सिम बरामद की गई। थाना रुदावल में एक बदमाश को गिरफ्तार कर एक अवैध देशी कट्टा और पांच कारतूस बरामद किए गए। इसी प्रकार थाना मथुरा गेट थाना क्षेत्र में दो बदमाशों को गिरफ्तार कर धारदार चाकू बरामद किए गए। इस कार्रवाई में 9 वारंटी और स्थाई वारंटी, 2 मफरुरों को भी गिरफ्तार किया गया है। वहीं जिले के विभिन्न थाना क्षेत्रों में अवैध शराब के खिलाफ बड़ी कार्रवाई में 24 अभियुक्तों को गिरफ्तार कर 1427 अवैध देसी शराब के पव्वे और 54 लीटर कच्ची शराब जब्त की गई। एक सटोरियों को गिरफ्तार कर 5200 रुपए भी जब्त किए गए।

मूर्तियां चोरी की वारदात का खुलासा

मूर्ति चोर और खरीददार गिरफ्तार, अष्ट धातु की चार मूर्तियाँ बरामद

हिलव्यू समाचार

सवाई माधोपुर। बामनवास थाना क्षेत्र के कीरतपुरा गांव में स्थित ठाकुर जी के मंदिर से अष्टधातु की चार मूर्तियां और सिंहासन चोरी की वादताद का पुलिस ने खुलासा कर दिया है। थाना पुलिस ने चोरी की गई सभी मूर्तियां और सिंहासन बरामद कर मूर्ति चोर लव-कुश उर्फ लब्बू मीणा (24) निवासी पट्टी खुर्द तथा मूर्ति चोरी के खरीदार कबाड़ी कलाम खान (37) निवासी मण्डावरी जिला दौसा हाल दरवाजा चौक पट्टी कला थाना बामनवास को गिरफ्तार किया है। एसपी हर्षवर्धन अग्रवाला ने बताया कि 18 मार्च की सुबह मंदिर के पुजारी मुरारी लाल शर्मा ने चोरों की ओर से ठाकुर जी के मंदिर से अष्टधातु की 4 मूर्तियां और सिंहासन चोरी कर ले जाने की रिपोर्ट थाना बामनवास पर दर्ज कराई थी। मंदिर के प्रति स्थानीय लोगों की आस्था जुड़ी होने के कारण मामले को गंभीरता से लेते हुए एएसपी प्रकाश चंद व सीओ तेज कुमार पाठक के सुपरविजन एवं थानाधिकारी मनीष शर्मा के नेतृत्व में टीम का गठन किया गया।

गठित टीम की ओर से मंदिर के आस-पास के सीसीटीवी फुटेज का बारीकी से निरीक्षण किया। तकनीकी साक्ष्य एवं आसूचना संकलित की गई। इसमें घटना किसी नशेड़ी द्वारा किया जाना सामने आया। इस पर नशेड़ियों और चालनशुदा बदमाशों से पूछताछ की गई। कांस्टेबल महेंद्र जाखड़ और कमलेश कुमार द्वारा आसूचना के आधार पर संदिग्ध लवकुश उर्फ लब्बू को दस्तयाब कर थाने लाकर पूछताछ की तो उसने मंदिर में चोरी करना स्वीकार लिया।

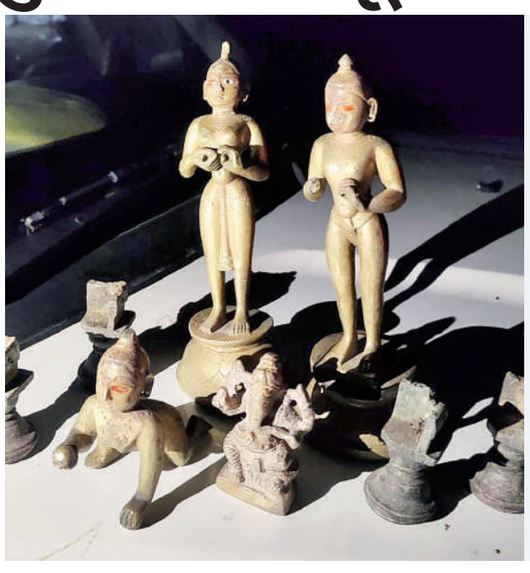

चोरी कर 600 रुपए में बेची मूर्तियाँ

स्मैक पीने के आदि लवकुश ने पुलिस को बताया कि मूर्तियां चुराने के बाद उसने कबाड़ी का काम करने वाले कलाम खान को 600 रुपए में मूर्तियां बेच दी। इस सूचना पर पुलिस ने कबाड़ी कलाम खान को डिटेन कर उसके पास से चोरी की अष्ट धातु की चारों मूर्तियां और सिंहासन बरामद कर लिया। इस कार्रवाई में एसएचओ मनीष शर्मा और कांस्टेबल महेंद्र जाखड़ व कमलेश की विशेष भूमिका रही है।

BJP में नई नियुक्ति का स्वागत: पार्टी कार्यालय के बाहर आतिशबाजी

प्रदेशाध्यक्ष बदलने से नाराज जाट महासभा ने फूंका पुतला

हिलव्यू समाचार

जयपुर। भारतीय जनता पार्टी के नवनियुक्त प्रदेशाध्यक्ष सांसद सीपी जोशी को बधाई देते हुए प्रदेश के वरिष्ठ नेताओं और कार्यकर्ताओं ने खुशी जताते हुए राष्ट्रीय नेतृत्व का आभार व्यक्त किया है। वहीं सतीश पूनियां के कार्यकाल का एक्सटेंशन नहीं मिलने से नाराज युवा जाट महासभा के कार्यकर्ताओं ने भाजपा प्रदेश कार्यालय के बाहर पुतला फूंक कर विरोध प्रदर्शन किया।

हालांकि पार्टी के खिलाफ उठी आवाज को थामने के लिए पूनियां तुरंत सक्रिय हो गए। उन्होंने सोशल मीडिया पर लिख कर स्पष्ट किया कि भाजपा सभी समाज की पार्टी है। यहां अध्यक्ष किसी जाति का नहीं पार्टी कार्यकर्ता होता है। मेरा 3 वर्ष का कार्यकाल पूरा हो चुका, नए अध्यक्ष पार्टी को और आगे ले जाएंगे। जो लोग भी भाजपा कार्यालय पर प्रदर्शन कर रहे हैं, वह भाजपा कार्यकर्ता नहीं हैं। पूनियां ने जोशी को बधाई देते हुए उनकी नियुक्ति के लिए राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा का आभार व्यक्ति किया।

उन्होंने कहा कि हम सब मिलकर 2023 में राजस्थान को कांग्रेसमुक्त बनाकर भाजपा बहुमत की सरकार बनाएगी। इधर, पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे ने उनकी नियुक्ति पर प्रसन्नता जाहिर की, उनको आगामी कार्यकाल की सफलता के लिए शुभकामनाएं दी। उन्होंने कहा कि लंबे समय से संगठन से जुड़े विभिन्न दायित्वों का निर्वहन करने वाले जोशी निश्चित ही पार्टी को सफलता के नए मुकाम पर लेकर जाएंगे। प्रदेश प्रभारी अरुण सिंह ने सीपी जोशी को बधाई देते हुए कहा कि सरल, सौम्य एवं मृदुभाषी व्यक्तित्व के धनी, लोकप्रिय युवा सांसद के कुशल संगठनात्मक नेतृत्व में राजस्थान में भाजपा का और विस्तार कर कांग्रेस सरकार के कुशासन के खिलाफ संघर्ष करेंगे। भाजपा संगठन महामंत्री चंद्रशेखर ने कहा कि प्रदेश उपाध्यक्ष एवं चित्तौड़गढ़ से सांसद विनम्र स्वभाव के धनी जोशी को पार्टी का अध्यक्ष बनाने से भाजपा मरूधरा में नया कीर्तिमान गढ़ेगी। भाजपा की राष्ट्रीय मंत्री और राजस्थान की सह-प्रभारी विजया राहटकर ने जोशी की नियुक्ति पर खुशी व्यक्त करते हुए कहा कि उनका सहज एवं विनम्र व्यक्तित्व पार्टी से नए एवं ऊर्जावान युवाओं को जोड़ने में सहायक होगा।

पार्टी का निर्णय गलत, समाज बर्दाश्त नहीं करेगा

युवा जाट महासभा के प्रदेशाध्यक्ष कुलदीप ने कहा कि कहा कि तीन साल तक जिस व्यक्ति ने पार्टी को खड़ा किया, चुनाव आते ही उन्हें बाहर का रास्ता दिखा दिया गया। पार्टी का यह निर्णय बहुत गलत है। समाज इसे बर्दाश्त नहीं करेगा। समाज का हर युवा उनके साथ है। राजनीति से प्रेरित होकर उन्हें निकाला है। उन्होंने कहा कि पूरा देश जहां शहीदों को श्रद्धांजलि दे रहा है, वहां पूनियां को हटाना इस बात का संकेत देता है कि केंद्र सरकार जाट विरोधी है।

पुष्कर में पुलिस की बड़ी कार्यवाही

रेव पार्टी में पुलिस की रेड, 37 लोगों को किया गिरफ्तार

हिलव्यू समाचार

अजमेर। जिले में पुष्कर थाना क्षेत्र के ग्राम चावंडिया में चल रही रेव पार्टी में पहुंचकर पुलिस ने देसी-विदेशी युवक-युवतियों का नशा उतार दिया। पुलिस सभी आरोपियों को हिरासत में लेकर थाने पहुंची। पुलिस ने कुल 37 लोगों को गिरफ्तार कर आबकारी अधिनियम, एनडीपीएस एक्ट व आरएनसी के तहत मामला दर्ज किया है। बीते 20 दिनों में पुलिस ने नशे के खिलाफ 9 कार्रवाई को अंजाम दिया है। पुष्कर थानाधिकारी डॉ. रवीश सारमरिया ने बताया कि चावंडिया ग्राम स्थित डेजर्ट नाइट रिसोर्ट में रेव पार्टी की सूचना मिली थी। इस पर पुलिस टीम ने वहां दबिश दी। मौके पर तेज आवाज में डीजे बज रहा था और भारतीय संस्कृति के विरुद्ध अर्द्धनग्न होकर युवक-युवतियां नशे में झूम रहे थे। पुलिस ने बताया कि यह पार्टी बिना परमिशन के आयोजित की गई थी। पार्टी में संचालक द्वारा युवक युवतियों को मादक पदार्थ के साथ ही शराब परोसी गई। इस पर कार्रवाई करते हुए 37 लोगों को गिरफ्तार किया गया है। पकड़े गए आरोपियों में महाराष्ट्र, हिमाचल प्रदेश, हैदराबाद, गुजरात, उत्तराखंड, हरियाणा, जयपुर, बीकानेर, जालौर के साथ ही अजमेर के पुष्कर स्थित संतोषी माता की ढाणी निवासी मनोहर रावत, स्टीफन चौराहा, माकड़वाली रोड निवासी सिकंदर खान, जनता कॉलोनी निवासी हितेश बुधवानी, ब्यावर के सूरजपोल गेट निवासी सिद्धार्थ आदि शामिल है।

जोधपुर डिस्कॉम के JEN को रिश्वत लेते किया गिरफ्तार

हिलव्यू समाचार

श्रीगंगानगर। भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो की टीम ने जोधपुर डिस्कॉम के जेईएन को 20 हजार की रिश्वत लेते रंगे हाथों गिरफ्तार किया है। एसीबी ने कार्रवाई करते हुए जोधपुर डिस्कॉम के श्रीगंगानगर बनवाली, लालगढ़ जाटान में तैनात जेईएन गौरव सिंह को गिरफ्तार किया है।

अतिरिक्त महानिदेशक हेमन्त प्रियदर्शी ने बताया कि परिवादी की ओर से शिकायत दी गई कि मकान का बिजली कनेक्शन करने की एवज में जेईएन गौरव सिंह 30 हजार रुपए घूस मांग कर परेशान कर रहा है। जिस पर एसीबी, जयपुर के महानिरीक्षक पुलिस सवाई सिंह गोदारा के सुपरविजन में एसीबी श्रीगंगानगर इकाई के अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक पवन मीणा के नेतृत्व में शिकायत का सत्यापन किया और शनिवार को ट्रैप की कार्रवाई करते हुए गौरव सिंह पुत्र रामचंद्र निवासी 913, शालीमार गार्डन, गाजियाबाद उत्तरप्रदेश हाल निवासी लालगढ़, श्रीगंगानगर को परिवादी से 20 हजार रुपए की रिश्वत लेते रंगे हाथों गिरफ्तार कर लिया। आरोपी जेईएन ने शिकायत करने से पहले 10 हजार रुपए रिश्वत के रूप में लिए थे। फिलहाल एसीबी की टीम जेईएन के आवास व अन्य ठिकानों की तलाशी में जुटी है।

पटवारी 6 हजार रुपए की रिश्वत लेते ट्रैप

इधर, जोधपुर एसीबी टीम ने घेवड़ा पटवारी को 6 हजार रुपए की रिश्वत लेते ट्रैप किया है। एसीबी सीआई राजेंद्र सिंह ने बताया कि परिवादी ने शिकायत दर्ज करवाई कि घेवड़ा पटवारी जितेंद्र परिहार जमीन का नामांतरण खोलने की एवज में रिश्वत मांग रहा है। सत्यापन के दौरान शिकायत सही पाए जाने पर शनिवार को एसीबी ने अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक दूर सिंह राजपुरोहित के नेतृत्व में पटवारी जितेंद्र परिहार को ट्रेप करने के लिए जाल बिछाया। जब परिवादी रिश्वत की राशि दे रहा था, तभी एसीबी ने पटवारी जितेंद्र परिहार को 6 हजार रुपए के साथ रंगे हाथों गिरफ्तार कर लिया। पटवारी जितेंद्र के पास मूल चार्ज गगाडी पटवार मंडल का है। मगर इन दिनों उसे घेवड़ा पटवार मंडल का अतिरिक्त चार्ज भी दे रखा है। इसी घेवड़ा पटवार मंडल क्षेत्र में उसने जमीन का नामांतरण करने के बाद में राशि ली। फिलहाल भष्टाचार निरोधक ब्यूरो की टीम आरोपी पटवारी से पूछताछ में जुटी हुई है।

11 ट्रेनों के ठहराव की मांग, 5 की मिली तुरंत मंजूरी

हिलव्यू समाचार

राजसमंद। राजसमंद सांसद दीया कुमारी ने केंद्रीय रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव से मुलाकात कर लोकसभा क्षेत्र की विभिन्न समस्याओं के संबंध में पत्र सौंपकर महत्वपूर्ण मुद्दों पर वार्ता की। इस मुलाकात के दौरान राजसमंद सांसद दीया कुमारी ने मावली मारवाड़ के प्रथम चरण के लिए स्वीकृति प्रदान करने के लिए आभार ज्ञापित करते हुए शीघ्र ही शिलान्यास करने तथा द्वितीय चरण में देवगढ़ से बर तक के कार्य को जल्द स्वीकृत करने का आग्रह किया। सांसद दीया कुमारी ने ने पुष्कर से मेड़ता का कार्य शुरू करवाने तथा बर से बिलाड़ा व रास से बिलाड़ा नवीन लाइनों की स्वीकृति के लिए प्रक्रिया शुरू करवाने का भी आग्रह किया।

ट्रेनों के स्टेशनों पर ठहराव की कवायद

मुलाकात के दौरान ही सांसद दीया कुमारी ने रेलमंत्री अश्विनी वैष्णव से लोकसभा क्षेत्र में गाड़ी संख्या 14813, एवं 19225 का ठहराव रेलवे स्टेशन गोटन पर, गाड़ी संख्या 14853 और 20481 का ठहराव रेन स्टेशन पर, गाड़ी संख्या 12489 का मेड़ता रोड पर, गाड़ी संख्या 12323 और 02323 का ठहराव डेगाना स्टेशन पर, गाड़ी संख्या 15269 और 12215 का ठहराव ब्यावर स्टेशन पर तथा गाड़ी संख्या 14813 का ठहराव जालसू और खेडूली स्टेशन पर एवं गाड़ी संख्या 19031 का ठहराव सेंदड़ा स्टेशन पर करने का आग्रह किया।

रेलमंत्री वैष्णव ने अन्य ट्रेनों के ठहराव को भी दिया आश्वासन

रेलमंत्री वैष्णव ने पांच ट्रेनों बीकानेर दादर का मेड़ता रोड, हावड़ा बाड़मेर का डेगाना, जोधपुर भोपाल एवं जोधपुर जम्मू तवी का गोटन एवं जोधपुर भोपाल का जालसू स्टेशन पर ठहराव की स्वीकृत प्रदान करते हुए सांसद दीया कुमारी को आश्वस्त किया कि अन्य ट्रेनों के ठहराव की प्रक्रिया भी शीघ्र पूरी की जाएगी। इस पर सांसद ने रेलमंत्री का आभार व्यक्त किया।

राज्यकर्मियों और पेंशनर्स के डीए में 4% की वृद्धि

जयपुर (हिलव्यू समाचार)। राजस्थान सरकार ने शनिवार को राज्य कर्मचारियों एवं पेंशनभोगियों को के महंगाई भत्ते में चार प्रतिशत की बढ़ोतरी का ऐलान किया। केंद्रीय कर्मचारियों के डीए में वृद्धि के बाद सीएम गहलोत ने राज्य कार्मिकों को भी ये सौगात दी है। अब राज्य कर्मचारियों एवं पेंशनर्स को 1 जनवरी, 2023 से 38 से बढ़कर 42 प्रतिशत महंगाई भत्ता एवं महंगाई राहत दर देय होगी। इस निर्णय का लाभ राजस्थान सिविल सेवा के पुनरीक्षित वेतन नियम-2017 के आधार पर वेतन प्राप्त कर रहे करीब आठ लाख कार्मिकों के साथ ही करीब 4 लाख 40 हजार पेंशन भोगियों को मिलेगा। यह लाभ राज्यकर्मियों के अतिरिक्त कार्य प्रभारित, पंचायत समिति व जिला परिषद के कर्मचारियों को भी देय होगा। मुख्यमंत्री गहलोत ने कहा कि केन्द्र डीए की घोषणा कर देता है, लेकिन इस पर अमल काफी समय बाद होता है, जबकि राज्य सरकार में घोषणा के साथ ही बढ़ी राशि का अविलंब भुगतान सुनिश्चित करती है।

कदम से कदम मिले, स्वर लहरियों पर गूंजे जयकारे

हिलव्यू समाचार

कोटा। राष्ट्र सेविका समिति कोटा विभाग की ओर से वर्ष प्रतिपदा पर गुरुवार को शहर के विभिन्न मार्गों से पथ संचलन निकाला गया। समिति की प्रांत सह प्रचार प्रमुख रीना शुक्ला ने बताया कि संचलन मेजर ध्यान स्टेडियम से प्रारंभ होकर अकलंक स्कूल, तात्या टोपे पार्क, केशवपुरा चौराहा, महावीर नगर तृतीय चौराहा होते हुए स्वामी विवेकानंद विद्यालय में संपन्न हुआ।

इस दौरान महिलाएं लाल धारी वाली साड़ी और सलवार सूट की गणवेश पहनकर उपस्थित हुईं। मार्ग में विभिन्न संस्थाओं द्वारा बनाए गए तोरण द्वार पर स्वयंसेविकाओं का पुष्पवर्षा से स्वागत किया गया। वहीं, संचलन को देखने के लिए उमड़ रहे क्षेत्रवासी 'भारत माता' के जयकारों और वंदेमातरम् के उद्घोष से माहौल में राष्ट्रवाद घोल रहे थे। सबसे आगे खुली जीप में भारत माता की झांकी सजाई गई थी। स्वयंसेविकाओं द्वारा भगवत ध्वज को हाथों में थाम रखा था। संचलन प्रमुख आयुषी इंदौरिया सबसे आगे चल रही थी। गणवेश पहने नन्हीं स्वयंसेविकाओं से लेकर बड़ी उम्र की महिला कार्यकर्ताओं का उत्साह देखते ही बन रहा था। आणक, प्रणव, वंशी और शंख से सजा घोष दल आकर्षण का केन्द्र था।

पुलिस की जवाबी कार्रवाई में घायल हुए दो आरोपियों को दबोचा

तस्करों और पुलिस के बीच चली गोलियाँ

हिलव्यू समाचार

प्रतापगढ़। प्रदेश में आपराधिक तत्वों पर पुलिस लगातार कार्रवाई कर रही है। हथियार और नशे की तस्करी में लिप्त बदमाशों के साथ ही गैंगस्टरों के खिलाफ ताबड़तोड़ कार्रवाई की जा रही है। जोधपुर और बीकानेर के बाद शनिवार को प्रतापगढ़ में एक बार फिर पुलिस और तस्करों के बीच मुठभेड़ हो गई। इस दौरान पुलिस की ओर से की गई जवाबी कार्रवाई में दो तस्कर पैर में गोली लगने से घायल हो गए। इसके बाद पुलिस ने उनको दबोच लिया। इनके पास से पुलिस ने बड़ी मात्रा में नशे की खेप पकड़ी है। घायल हुए दोनों तस्करों को पुलिस ने इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया है। जानकारी के मुताबिक डीजीपी उमेश मिश्रा, एडीजी दिनेश एमएन और प्रतापगढ़ एसपी अमित कुमार के निर्देश पर पुलिस ने शनिवार को नशे की तस्करी करने वालों के खिलाफ बड़ी कार्रवाई की। इस दौरान पुलिस ने करीब एक हजार किलो डोडा पोस्त सहित अवैध हथियार बरामद किए। कार्रवाई के दौरान तस्करों ने पुलिस ने हमला कर दिया।

फरार तस्करों की तलाश में जुटी पुलिस

एसएचओ बंजारा ने बताया कि पुलिस ने डोडा पोस्त से भरी गाड़ियों को थाने पहुंचा दिया है। वहीं, दोनों घायल तस्करों को उपचार के लिए जिला अस्पताल में भर्ती कराया है। हालांकि, अभी तक यह पता नहीं चल पाया कि बदमाश नशे की खेप कहां से लाए थे और कहां पर लेकर जा रहे है। फिलहाल पुलिस तस्करी के नेटवर्क को खंगालने में जुटी है। वहीं फरार तस्करों की तलाश की जा रही है।घायल तस्करों से नेटवर्क के बारे में पूछताछ की जाएगी।

कंट्रोल रूम से मिली थी सूचना

पुलिस के मुताबिक शनिवार तड़के कंट्रोल रूम से सूचना मिली की कुछ लोग गाड़ियों में भरकर नशे की बड़ी खेप छोटी सादड़ी के रास्ते ले जा रहे हैं। सूचना के बाद पुलिस ने नाकेबंदी करवाई। इस दौरान पुलिस को देखते ही बदमाशों ने फायरिंग शुरू कर दी और छोटी सादड़ी एसएचओ दीपक बंजारा पर पिस्टल तान दी। इस पर जवाबी कार्रवाई में पुलिस की ओर से भी फायरिंग की गई। जिसमें दो तस्कर घायल हो गए।

चार गाड़ियों में भर कर लाए थे एक हजार किलो डोडा-पोस्त

एसएचओ दीपक बंजारा ने बताया कि चार गाड़ियों में डोडा पोस्त भरकर करीब 5-6 बदमाश छोटी सादड़ी के रास्ते से जा रहे थे। पुलिस ने नाकेबंदी कर जब बदमाशों को रोकना चाहा तो उन्होंने पुलिस पर भी फायरिंग कर दी। जिस पर पुलिस ने भी फायरिंग की। ऐसे में पैर में गोली लगने से दो बदमाश घायल हो गए, जिन्हें पुलिस ने मौके पर ही दबोच लिया। साथ ही बदमाशों के पास से 3 पिस्टल सहित नशे की खेप से भरी तीन गाड़ियों को भी जब्त किया है। हालांकि इस दौरान मौका पाकर अन्य बदमाश भाग छूटे। जांच में सामने आया कि गाड़ियों में करीब एक हजार किलो डोडा पोस्त भरा हुआ था, जिसकी कीमत करीब 3 करोड़ रुपए बताई जा रही है। पुलिस के अनुसार तस्करों के बारे में जानकारी मिलने पर पुलिस ने तत्परता दिखाते हुए नाकाबंदी की ओर तस्करों को पकड़ने की तैयारी की। इस दौरान चार गाड़ियों में तस्कर नशे की खेप लेकर आए। उन्हें रोकने का इशारा किया तो आरोपियों ने पुलिस पर फायरिंग शुरू कर दी।

हिलव्यू समाचार

फीचर

जयपुर, मंगलवार, 28 मार्च 2023

वॉर ड्रामा **'स्काई फोर्स'** में पहली बार

एयरफोर्स पायलट बनेंगे अक्षय

अक्षय कुमार के लिए 2022 बहुत खराब रहा. उनकी 5 फिल्में 'बच्चन पांडे', 'सम्राट पृथ्वीराज', 'रक्षा बंधन', 'राम सेतु' और 'कटपुतली' (ओटीटी) उम्मीद के मुताबिक बॉक्स ऑफिस पर कोई कमाल नहीं कर सकीं. 2023 में भी अक्षय हिट के साथ खाता नहीं खोल सके और उनकी 'सेल्फी' भी धराशायी हो गई है. ऐसे में अक्षय को इंडस्ट्री में अपनी साख बनाए रखने के लिए एक अदद ब्लॉकबस्टर की सख्त जरूरत है. 'बड़े मियां छोटे मियां', 'हेरा फेरी 3' और 'ओह माय गॉड 2' समेत करीब 10 फिल्में 2024 तक रिलीज होंगी. इस बीच अक्षय ने निर्माता दिनेश विजान की वॉर ड्रामा 'स्काई फोर्स' भी साइन की है. फिलहाल अक्षय, अपने लाइव कॉन्सर्ट 'द एंटरटेनर्स' के लिए अमेरिका के दौरे पर हैं. इसके तुरंत बाद वह 'बड़े मियां छोटे मियां' के विदेश शेड्यूल पर यूरोप के लिए रवाना होंगे. निर्देशक अली अब्बास जफर इसे अप्रैल अंत तक पूरा कर लेंगे, ऐसी उम्मीद है.

2024 में रिलीज होगी यह फिल्म

'स्काई फोर्स' में, अक्षय पहली बार एक वायु सेना अधिकारी के रूप में दिखाई देंगे और यह फिल्म भारतीय वायुसेना को एक आदरांजलि होगी. फिल्म के लिए काफी रिसर्च की गई है क्योंकि मेकर्स इस फिल्म को भारतीय वायु सेना के संदर्भ में पूरी जिम्मेदारी के साथ बनाना चाहते हैं. फिल्म में एक्शन सीक्वेंस भी असलियत के काफी करीब होंगे. 'स्काई फोर्स' अक्षय की दूसरी फिल्म होगी, जो 2024 में रिलीज होने वाली है.

नई एक्ट्रेस का डेब्यू

अक्षय, मई में टाइगर के साथ 'बड़े मियां...' की शूटिंग शुरू करेंगे और अप्रैल के अंत तक इसे पूरा कर लेंगे. इसके बाद वह अपनी पहली एरियल एक्शन फिल्म 'स्काई फोर्स' पर काम शुरू करेंगे. फिल्म भारतीय वायु सेना की सबसे बड़ी जीत में से एक पर बन रही है और सच्ची घटनाओं पर आधारित है. टीम मई से 'स्काई फोर्स' पर काम करना शुरू कर देगी. फिलहाल प्री-प्रोडक्शन का काम चल रहा है. सूत्रों के मुताबिक 'स्काई फोर्स' से मेकर्स इंडस्ट्री में एक नए चेहरे को भी पेश करेंगे.

एक्ट्रेसेस के लिए शादी ही सबसे बड़ा टैबू सब्जेक्ट

करीना कपूर खान ने हाल ही इंडस्ट्री में बॉलीवुड में एज फैक्टर पर अपनी प्रतिक्रिया देते हुए कहा, 'आपको अपनी उम्र को सहर्ष स्वीकार करना होगा.'

करीना ने कहा, 'पहले फीमेल एक्टर्स के लिए सबसे बड़ी वर्जना थी शादी करना. हालांकि, अब इंडस्ट्री की इस टेंडेंसी में बदलाव आ रहा है, मुझे ऐसा लगता है. आज महिलाएं पहले से ज्यादा साहसी हो गई हैं. फीमेल एक्टर्स के लिए सबसे बड़ा टैबू था शादी करना, लेकिन अब शादी करिअर को प्रभावित नहीं करती.'

'सिटाडेल' में पहली बार हीरो के बराबर मिली फीस

प्रियंका चोपड़ा जोनास ने खुलासा किया कि उन्हें अपने 22 साल के करिअर में पहली बार 'सिटाडेल' में काम करने पर हीरो के बराबर फीस दी गई थी. यह उनके लिए समान वेतन की खुशी को अनुभव करने का पहला मौका था. उन्होंने 'साउथ बाय साउथ वेस्ट' फिल्म फेस्टिवल के उद्घाटन के मौके पर अमेजन स्टूडियोज की प्रमुख जेनिफर सल्के के साथ बातचीत के दौरान समान वेतन के बारे में बात की. प्रियंका ने कहा, मैं मनोरंजन जगत में 22 वर्षों से काम कर रही हूं लेकिन यह मेरे करिअर में पहली बार था, जब मुझे 'सिटाडेल' के लिए लीड एक्टर रिचर्ड मैडेन के बराबर वेतन मिला था.'

सपने में भी नहीं सोचा था हनुमान चालीसा इतना हिट होगा

भजन के 300 करोड़ व्यूज पर बोले हरिहरन

भारतीय संगीत जगत के दिग्गज गायक हरिहरन द्वारा टी-सीरीज म्यूजिक कंपनी के लिए गाया हुआ 'हनुमान चालीसा' की गूंज विश्व भर में सुनाई दे रही है. हनुमानजी की इस स्तुति को यूट्यूब पर 300 करोड़ के रिकॉर्ड ब्रेकिंग व्यूज हासिल हुए हैं. गाने की इस शानदार सफलता पर नवभारत के साथ अपनी खुशी व्यक्त करते हुए हरिहरन ने भजन सुप्रीमो गुलशन कुमार द्वारा दी गई एक नसीहत को याद किया.

वे कहते हैं, 'गुलशन जी मुझे हमेशा कहा करते थे कि हरी भाई, आप भजन गाया करो, वे सदाबहार होते हैं. उनकी ये बात यकीनन सही सिद्ध हुई और साथ ही हनुमानजी के आशीर्वाद से मेरे द्वारा गाया हुआ उनका ये भजन इस बुलंदी को छू पाया है. मैंने सपने में भी नहीं सोचा था कि ये 3 बिलियन (300 करोड़) का आंकड़ा छू पाएगा.' लोकप्रिय गायक ने बीते दिनों अपनी नया गजल एल्बम 'दूरियां' रिलीज किया, जिसे उन्होंने गायिका साधना जेजुरिकर के साथ गाया है.

इश्क है तो गजल है

रिश्तों में आने वाली दूरियों के चलते उभरते जज्बातों को बयां करती अपनी इस गजल को लेकर हरिहरन ने कहा, 'आज की युवा पीढ़ी भी इस प्रकार के गीतों को बेहद पसंद करती है. मैं जब भी गजल से जुड़ी महफिलों में पहुंचता हूं तो देखता हूं कि हजारों की संख्या में मौजूद दर्शक युवा हैं. दुनिया में जब तक इश्क है, तब तक गजल रहेगी. ये भावनाओं की बात है और चाहे जितना शोर-शराबा हो, इसके बीच गजल अपनी जगह बनाए रहेगा.'

लोगों में सेल्फी का नया भूत चढ़ा है

हाल ही में लाइव कॉन्सर्ट के दौरान सोनू निगम के साथ हुई बदसलूकी के बाद कलाकारों की सुरक्षा को लेकर भी कई सवाल उठे. इस विषय पर जब हरिहरन से प्रश्न किया गया तो उन्होंने कहा, आज दर्शकों की संख्या बेहद बढ़ गई है और ऐसी स्थिति में सख्त सुरक्षा का होना बेहद जरूरी है, ताकि लोग बैकस्टेज न आएं. पहले के मुकाबले लाइव इवेंट्स के लिए बैकस्टेज अब छोटा हो गया है. लोगों के बीच सेल्फी का एक नया भूत चढ़ा है और उस दौरान उन्हें इस बात की भी फिक्र नहीं होती कि सामने वो कलाकार कौन है. उन्हें केवल हर हाल में सेल्फी चाहिए. मुझे लगता है कि ऐसी स्थिति पैदा नहीं होनी चाहिए और एक मर्यादा का होना बेहद जरूरी है. सेल्फी लेना गलत नहीं है लेकिन पब्लिक और भीड़भाड़ जैसी जगह पर थोड़ा संयम रखना जरूरी है. सेल्फी के चक्कर में स्थिति नियंत्रण से बाहर जा सकती है.

✦✦ आकाश जायसवाल@नवभारत

'एनिमल' व 'ब्रह्मास्त्र 2' की दिखाई तैयारी

एक्टर रणबीर कपूर ने अपनी हालिया रिलीज 'तू झूठी मैं मक्कार' के लिए अच्छी बॉडी हासिल करने के लिए कड़ी ट्रेनिंग ली है. अभिनेता के फिटनेस ट्रेनर शिवोहम ने लव रंजन के निर्देशन में बनी फिल्म के लिए नये लुक को हासिल करने के लिए रणबीर की प्रशंसा करने के लिए इंस्टाग्राम का सहारा लिया.

रणबीर के फिटनेस ट्रेनर ने अपने इंस्टाग्राम पर अभिनेता की वॉशबोर्ड एब्स दिखाते हुए उनकी शर्टलेस तस्वीरें साझा कीं. उन्होंने लिखा, 'आप जो देख रहे हैं, वह वास्तव में अनुशासित जीवनशैली, समर्पण और कड़ी मेहनत का एक उदाहरण है. यह एक टीम प्रयास है और इस तरह के परिणाम आधे मन से हासिल नहीं किए जा सकते. कभी सुबह 4 बजे, कभी रात के 11.30 बजे के अलावा शूटिंग के बीच में समय निकालते हुए रणबीर ने यह किया.' रणबीर की आने वाली फिल्में 'एनिमल' और 'ब्रह्मास्त्र' हैं.

OTT ने कहानी कहने के हमें नए विकल्प दिए

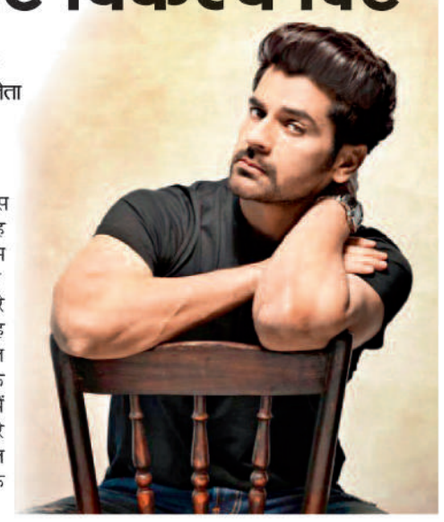

ओटीटी शो 'स्टेट ऑफ सीज : 26/11' और 'बेस्टसेलर' के जरिए चमकने वाले अभिनेता अर्जन बाजवा ने इस मिथक को खारिज किया कि ओटीटी पर कलाकार स्टार नहीं बनते.

उनका कहना है कि उन्होंने अब तक इस माध्यम पर जो काम किया है, उससे वह खुश हैं. अर्जन ने कहा, 'अच्छा काम हमेशा आपको निखारने का काम करता है. मेरी दोनों सीरीज एक-दूसरे से अलग हैं. सबसे अच्छी बात यह है कि दोनों किताबों पर आधारित थीं. मेरे लिए यह महत्त्वपूर्ण है कि मेरे काम को याद रखा जाए. मैं ऐसे प्रोजेक्ट करता हूं, जो मेरे करिअर में मील के पत्थर साबित हों. ओटीटी ने भी कहानी कहने के नए विकल्प दिए हैं.'

यहाँ मैं अपनी असल शख़्सियत दिखा सकती हूँ. ..

श्रद्धा कपूर का कहना है कि वह सोशल मीडिया पर इसलिए इतना ज्यादा एक्टिव रहती हैं, ताकि अपने फैंस के साथ वह खुलकर वास्तविक श्रद्धा कपूर के रूप में मिल सकें. लोग उस श्रद्धा को जानते हैं जिसे उन्होंने फिल्मी किरदारों, कहानियों और सिनेमा के बड़े पर्दे पर देखा है. लेकिन वह चाहती हैं कि लोग उस श्रद्धा को भी जानें, जिसे उन्हीं की तरह वड़ा पाव, पानी पूरी खाने, माता-पिता के साथ मस्ती-मजाक करना या सिर्फ सुबह उठकर अपनी सेल्फी शेयर करना पसंद है. श्रद्धा की सोशल मीडिया पर जबरदस्त फैन फॉलोइंग है और वह भी अपने जीवन के नियमित गतिविधियों को उनके साथ शेयर करती हैं. 36 वर्षीय श्रद्धा के इंस्टाग्राम पर 79 मिलियन और ट्विटर पर 14.4 मिलियन फॉलोअर्स हैं.

'चोर निकल के भागा' से डेब्यू करेंगी प्रियंका करुणाकरन

मॉडल प्रियंका करुणाकरन, होस्टेज ड्रामा थ्रिलर 'चोर निकल के भागा' से फिल्मी करिअर की शुरुआत कर रही हैं. फिल्म में यामी गौतम लीड रोल में हैं. नेटफ्लिक्स पर स्ट्रीम की जाने वाली इस फिल्म में प्रियंका एक दक्षिण भारतीय एयरहोस्टेस की भूमिका निभाएंगी. अंतरराष्ट्रीय स्तर पर मॉडलिंग सर्किट में प्रियंका एक जाना-पहचाना नाम हैं. रोल के बारे में वह कहती हैं, 'मैं फिल्म में जो भूमिका निभा रही हूं, दरअसल वह मेरे दिल के करीब है. मेरी मां ने 30 वर्ष एयर इंडिया में एयर होस्टेस के रूप में काम किया है.'

ग्रुप डिस्कशन में मिलेगी कामयाबी

करिअर जोन

टॉप यूनिवर्सिटीज और एजुकेशनल इंस्टीट्यूशंस स्टूडेंट्स को अपने यहां हायर एजुकेशनल डिग्री कोर्सेज में एडमिशन देने के लिए रिटन एग्जाम और पर्सनल इंटरव्यू के साथ ग्रुप डिस्कशन (जीडी) के माध्यम से भी चयन करते हैं. कई बार कुछ स्टूडेंट्स इंटेलीजेंट होने के बावजूद आत्मविश्वास की कमी के चलते ग्रुप डिस्कशन राउंड को क्लियर नहीं कर पाते हैं और इस वजह से ऐसे स्टूडेंट्स को उनके मनपसंद टॉप इंस्टीट्यूट में एडमिशन नहीं मिल पाता है. लेकिन यदि स्टूडेंट्स कुछ विशेष पॉइंट्स का ध्यान रखें तो वे किसी भी जीडी में कामयाबी हासिल कर सकते हैं.

टॉपिक्स की जानकारी

ग्रुप डिस्कशन में आपको डिबेट में पेश किए जा सकने वाले सभी महत्त्वपूर्ण टॉपिक्स की बहुत अच्छी जानकारी होनी चाहिए. आप इस किस्म के जीडी में फैक्ट्स और डेटा आदि पेश करके अपना डिस्कशन ज्यादा प्रभावी बना सकते हैं. लेकिन, आप डिबेट में जो जानकारी पेश करें, वह उपयुक्त हो ताकि पैनल के सभी लोग आपके प्वाइंट्स से सहमत हों. इसके अलावा, बोलते समय आप पूरे आत्मविश्वास से अपनी बात पेश

करें और अपने लॉजिक के समर्थन में जो प्वाइंट्स आप रखें, उनकी पूरी जानकारी आपको होनी चाहिए.

एप्टीट्यूड स्किल्स

कांसेप्ट पर आधारित टॉपिक्स आजकल अक्सर पेश किए जाते हैं क्योंकि अब हरेक इंस्टिट्यूट छात्रों के विश्लेषण और एप्टीट्यूड स्किल्स के साथ ही उनके संपूर्ण ज्ञान की जांच करना चाहता है. इस किस्म के ग्रुप डिस्कशन्स में टॉपिक का चयन उसी समय किया जाता है और बहुत से मामलों में यह टॉपिक काफी अस्पष्ट होता है. ऐसे डिस्कशन्स से पैनलिस्ट्स को छात्रों की सोचने की क्षमता और रचनात्मकता के आधार पर उन्हें जज करने का मौका मिलता है. इसलिए आपके पास काफी किताबी और सैद्धांतिक ज्ञान होने के साथ-साथ अपने रचनात्मक कौशल द्वारा प्रत्येक स्थिति से निपटने का स्किल भी जरूर होना चाहिए. ऐसे किसी भी जीडी में छात्रों को डिबेट में 'जैसा लगता है, वैसा ही है' और 'जीवन एक पहेली है' जैसे टॉपिक दिए जाते हैं. ऐसे टॉपिक्स में फैक्ट्स और डेटा की जरूरत नहीं होती, लेकिन आपको अपनी कल्पना-शक्ति का बेहतरीन इस्तेमाल करना होता है. इसलिएए ऐसे ग्रुप डिस्कशन में भाग लेने के लिए आप अपने रचनात्मक कौशल को अवश्य निखारें.

विवादपूर्ण स्थिति

अब हम आपको यह बताते हैं कि ऐसे टॉपिक्स जान-बूझकर छात्रों के सामने

पेश किए जाते हैं ताकि यह पता चल सके कि छात्र अपना संतुलन खोए बिना कैसे विवादपूर्ण स्थिति से अच्छी तरह निपटते हैं? इससे यह पता चलता है कि अन्य पार्टिसिपेंट्स द्वारा बनाए गए किसी विवादपूर्ण माहौल में कितनी अच्छी तरह से कोई पार्टिसिपेंट अपने विचार पेश कर सकते हैं.

दें निष्पक्ष राय

आपकी ओपिनियन या राय मांगने वाले टॉपिक्स वास्तव में उतने आसान नहीं होते हैं, जितने अपने नाम से लगते हैं. असल में, ऐसे डिस्कशन्स में स्टूडेंट्स की प्रेजेंटेशन स्किल्स काफी असरदार होनी चाहिए तकि वे अपनी राय से पैनलिस्ट्स को प्रभावित कर सकें. ऐसे टॉपिक्स में छात्रों के नेतृत्व के गुणों पर भी ध्यान दिया जाता है तथा एडमिशन प्रोसेस में नेतृत्व के गुणों से संपन्न छात्रों को हमेशा प्राथमिकता दी जाती है. राय मांगने वाले टॉपिक्स के तहत अक्सर 'भारत एक विकासशील राष्ट्र के तौर पर' और 'हमारे समाज में महिलाओं का प्रभाव' जैसे टॉपिक्स छात्रों के सामने पेश किए जाते हैं. इन टॉपिक्स पर आप अपनी निष्पक्ष राय ग्रुप के सामने रखें.

केस स्टडी

अब, टॉप एमबीए इंस्टिट्यूट्स जैसे आईआईएम और एमआईसीए में केस स्टडी पर आधारित ग्रुप डिस्कशन का आयोजन किया जाता है. ऐसे ग्रुप डिस्कशन में सभी पार्टिसिपेंट्स के सामने कोई समस्या या स्थिति पेश की जाती है और फिर छात्रों से उसका समाधान पूछा जाता है. इस ग्रुप डिस्कशन में छात्रों की निर्णय लेने और टीम को हैंडल करने की क्षमताओं की जांच करने के लिए 'कर्मचारी और प्रबंधक के बीच चर्चा' जैसे टॉपिक डिबेट के लिए पेश किए जाते हैं. इसलिए अपने आस-पास की बातों और घटनाओं से अपडेटेड रहें.

शादी के 19 साल बाद

पति से अलग हो रहीं 'अंगूरी भाभी'

टीवी शो 'भाभी जी घर पर हैं' में नजर आने वाली एक्ट्रेस शुभांगी अत्रे की पर्सनल लाइफ इन दिनों काफी उतार-चढ़ाव से गुजर रही है. एक्ट्रेस शादी के 19 साल बाद अपने पति पीयूष पूरे से अलग हो रही हैं. इस खबर की पुष्टि करते हुए हाल ही में एक्ट्रेस ने कहा कि ये फैसला करना उनका लिए बिल्कुल भी आसान नहीं था. लेकिन काम के वक्त में वो कुछ याद नहीं रखतीं. शुभांगी ने कहा, 'जब भी मैं अंगूरी भाभी के गेटअप में होती हूं तो सब कुछ भूल जाती हूं. मैं अंगूरी भाभी हूं, जैसे ही मैं उस गेटअप में आती हूं, मेरा दिमाग उसी तरह काम करता है. शुभांगी ने कहा कि जब वो इंडस्ट्री में नई थीं तो उन्हें पर्सनल लाइफ की मुश्किलों से निपटने और उनका असर काम पर नहीं होने देने में काफी कठिनाइयों का सामना करना पड़ा. लेकिन वक्त के साथ उन्होंने इसे बैलेंस करना सीख लिया और उनका मानना है कि हर एक्टर को ये सीखना चाहिए, हालांकि ये कई बार बहुत मुश्किल भी हो जाता है.' वहीं पति से अलग होने की बात पूछे जाने पर शुभांगी ने कहा कि अभी मैं सिर्फ अपने काम पर ध्यान दे रही हूं. वहीं, एक्ट्रेस पिछले एक साल से अपने पति से अलग रह रही हैं और चीजों को ठीक करने की पूरी कोशिश करने के बाद उन्होंने अलग होने का फैसला किया है.

AI-ऑटोफोकस 'अल्फा 7R V' कैमरा

V' कैमरा लांच किया है. यह कैमरा AI-आधारित ऑटोफोकस के साथ एक नया उच्च-रिजोल्यूशन इमेजिंग अनुभव प्रदान करता है. इसमें 61.0MP बैक-इलुमिनेटेड सेंसर और BIONZ इमेज प्रोसेसिंग इंजन है. यह स्थिर फोटोग्राफी और वीडियो दोनों को कैप्चर करने में सक्षम है. इसमें रिफाइंड 8K मूवी आउटपुट, एक नया 4-एक्सिस मल्टी-एंगल मॉनिटर, हाई-स्पीड संचार कार्य, उच्च-स्तरीय संचालन क्षमता है.

दिव्या का अनुराग को ओपन लेटर

एक्ट्रेस दिव्या अग्रवाल ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर निर्माता निर्देशक अनुराग कश्यप से काम मांगा है. उन्होंने खुलासा किया कि वह अनुराग के साथ उनके किसी प्रोजेक्ट पर काम करना चाहती हैं. इंस्टाग्राम रील शेयर करते हुए दिव्या ने लिखा, 'यह अनुराग कश्यप के नाम एक खुला पत्र है. मुझे बेवकूफ कहो, तो भी मैं आपसे काम मांगूंगी, सबके सामने, मुझे इसमें कोई शर्म नहीं है.' दिव्या 'अभय' सीरीज में नजर आ चुकी हैं.

एक नज़र

गगनयान मिशन: इसरो को क्रू मॉड्यूल संरचना मिली

चेन्नई, (एजेंसी)। भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) ने शनिवार को गगनयान मिशन में पैराशूट सिस्टम के अनुक्रम और प्रदर्शन को मान्य करने के लिए एकीकृत एयर-ड्रॉप टेस्ट (आईएडीटी) के लिए क्रू मॉड्यूल संरचना सिम्युलेटेड असेंबली प्राप्त की। मॉड्यूल मानव अंतरिक्ष उड़ान केंद्र (एचएसएफसी), इसरो द्वारा डिजाइन किया गया है और हार्डवेयर श्री वेंकटेश्वर एयरोस्पेस प्राइवेट लिमिटेड, हैदराबाद द्वारा तैयार किया गया है इसरो के अध्यक्ष एवं अंतरिक्ष विभाग के सचिव सोमनाथ एस. और इसरो के अन्य वरिष्ठ अधिकारी भी इसमें उपस्थित थे।

वन वेब के 36 उपग्रहों को इसरो आज करेगा प्रक्षेपित

चेन्नई, (एजेंसी)। भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) के एलवीएम-3 प्रक्षेपण यान से ब्रिटेन की कंपनी वनवेब के 36 उपग्रहों को पृथ्वी की निचली कक्षा में स्थापित करने के लिए होने वाले प्रक्षेपण से पहले शनिवार को उल्टी गिनती शुरू हो गई। इसरो के सबसे भारी प्रक्षेपण यान एलवीएम-एम3 को श्रीहरिकोटा स्थित शार प्रक्षेपण केंद्र से प्रक्षेपित किया जाएगा। इसरो से जुड़े सूत्रों ने बताया कि ब्रिटिश कंपनी वन वेब के उपग्रहों को प्रक्षेपित किए जाने से साढ़े 24 घंटे पहले उल्टी गिनती शुरू कर दी गई है। सुबह शार प्रक्षेपण केंद्र के दूसरे नंबर के लांच पैड से इसे एलवीएम-एम3 को प्रक्षेपित किया जाएगा।

कश्मीर घाटी में बरसात गुलमर्ग में ताजा हिमपात

श्रीनगर, (एजेंसी)। जम्मू-कश्मीर के मैदानी इलाकों में पिछले 24 घंटों के दौरान बारिश और ऊपरी इलाकों में ताजा हिमपात हुआ है। मौसम विभाग के अधिकारियों ने शनिवार को जानकारी दी कि उत्तरी कश्मीर के बारामूला जिले में प्रसिद्ध स्की-रिजॉर्ट गुलमर्ग में बीती रात 3.8 सेमी ताजा हिमपात दर्ज किया गया। रिजॉर्ट में कल रात न्यूनतम तापमान शून्य से 1.0 डिग्री सेल्सियस नीचे दर्ज किया। गया। उन्होंने बताया कि गुलमर्ग में जहां बर्फबारी हुई, वहीं घाटी के अन्य हिस्सों में कल से हो रही बारिश आज भी जारी है। दक्षिण कश्मीर में अनंतनाग जिले के पहलगाम रिजॉर्ट में पारा बीती रात शून्य से 0.5 डिग्री सेल्सियस नीचे दर्ज किया गया।

लाहौर हाईकोर्ट से पाक के पूर्व पीएम इमरान को राहत

लाहौर, (एजेंसी)। पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री एवं पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) के अध्यक्ष इमरान खान की सुरक्षात्मक (प्रोटेक्टिव) जमानत की अवधि तीन दिन और बढ़ाकर 27 मार्च तक कर दी गई है। इमरान को लाहौर हाइकोर्ट (एलएचसी) में व्यक्तिगत हाजिरी देने के बाद, इस्लामाबाद में दर्ज पांच मामलों में पेश होने के लिए सुरक्षात्मक जमानत मंजूर की गई है। इससे पहले शुक्रवार को दिन में इस्लामाबाद हाई कोर्ट ने तोशखाना मामले में उनके गिरफ्तारी वारंट को सस्पेंड कर दिया था। उन्होंने इस्लामाबाद हाई कोर्ट में गिरफ्तारी वारंट के खिलाफ अर्जी दी थी।

इतिहास

- **1780:** ब्रिटेन के अखबार ब्रिट गैजेट और संडे मॉनिटर पहली बार रविवार को प्रकाशित हुए।
- **1812:** वेनेजुएला के सबसे बड़े शहर करकास में जबरदस्त भूकंप की वजह से शहर का 90 प्रतिशत हिस्सा ध्वस्त हो गया और करीब 20 हजार लोगों की मौत हो गई।
- **1904:** लंदन के हाइड पार्क में 80 हजार लोगों ने चीनी श्रमिकों के आयात के विरोध में प्रदर्शन किया।
- **1943:** एल्सी एस ओट्टू को अमेरिकी वायुसेना पदक मिला और वह यह पदक पाने वाली पहली महिला बनी।
- **1971:** शेख मुजीबुर्रहमान ने पूर्वी पाकिस्तान को बांग्लादेश के रूप में स्वतंत्र देश घोषित किया। 26 मार्च को बांग्लादेश स्वतंत्रता दिवस मनाता है।

असम, मणिपुर, नागालैंड के चंद अंचलों से हटा अफस्पा

गृहमंत्री अमित शाह ने कहा, यह ऐतिहासिक

नई दिल्ली, (एजेंसी)। केंद्र सरकार के लगातार प्रयासों से पूर्वोत्तर भारत की सुरक्षा स्थिति में अभूतपूर्व सुधार हुआ है। गृह मंत्रालय के मुताबिक भारत सरकार ने एक ऐतिहासिक कदम के तहत दशकों बाद अप्रैल 2022 से नागालैंड, असम और मणिपुर में सशस्त्र बल विशेष अधिकार अधिनियम (अफस्पा) के तहत अशांत क्षेत्रों को कम किया। केंद्रीय गृह मंत्रालय ने सशस्त्र बल (विशेष शक्तियां) अधिनियम 1958 (अफस्पा) को असम, मणिपुर और नागालैंड के कुछ क्षेत्रों से कम करने का फैसला लिया है। असम में अफस्पा को 8 जिलों तक सीमित किया है, जबकि मणिपुर में 4 थाना क्षेत्रों से अफस्पा हटा है। वहीं नागालैंड में 3 थाना क्षेत्रों से इसे कम कर दिया है। केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने इसे ऐतिहासिक बताया है।

गृह मंत्रालय के मुताबिक केंद्र सरकार के लगातार प्रयासों से पूर्वोत्तर भारत की सुरक्षा स्थिति में अभूतपूर्व सुधार हुआ है और भारत सरकार ने एक ऐतिहासिक कदम के तहत दशकों बाद अप्रैल 2022 से नागालैंड, असम और मणिपुर में सशस्त्र बल विशेष अधिकार अधिनियम (अफस्पा) के तहत अशांत क्षेत्रों को कम किया। वहीं शनिवार को एक और महत्वपूर्ण निर्णय करते हुए इन तीनों राज्यों में फिर से, 01 अप्रैल, 2023 से अफस्पा के तहत अशांत क्षेत्रों में और कमी की जा रही है। गृह मंत्रालय ने बताया कि संपूर्ण असम में वर्ष 1990 से अशांत क्षेत्र अधिसूचना लागू है। मोदी सरकार के अथक प्रयासों से सुरक्षा स्थिति में उल्लेखनीय सुधार के परिणामस्वरूप 01 अप्रैल 2022 से असम के 9 जिलों तथा एक जिले के एक सब-डिविजन को छोड़कर शेष पूरे असम राज्य से अफस्पा के अन्तर्गत अशांत क्षेत्रों को हटा लिया गया था तथा 01 अप्रैल 2023 से अशांत क्षेत्रों में और कमी करते हुए इसे मात्र 08 जिलों तक सीमित कर दिया है।

गृह मंत्रालय ने बताया मणिपुर (इंफाल नगर पालिका क्षेत्र को छोड़कर) में अफस्पा के अधीन अशांत क्षेत्र घोषणा वर्ष 2004 से चली आ रही थी। केंद्र सरकार द्वारा महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए 6 जिलों के 15 पुलिस स्टेशन क्षेत्र को 01 अप्रैल 2022 से अशांत क्षेत्र अधिसूचना से बाहर किया गया था और अब दिनांक 01 अप्रैल 2023 से अफस्पा के अधीन अशांत क्षेत्र अधिसूचना को 4 अन्य थाना क्षेत्रों से हटाते हुए, कुल 7 जिलों के 19 पुलिस थानों से हटाया जा रहा है। इसी तरह संपूर्ण नागालैंड में अशांत क्षेत्र अधिसूचना वर्ष 1995 से लागू है।

एक अधिकारी ने बताया कि केंद्र सरकार ने इस संदर्भ में गठित कमेटी की चरणबद्ध तरीके से अफस्पा हटाने की सिफारिश को मानते हुए 01 अप्रैल 2022 से 7 जिलों के 15 पुलिस स्टेशनों से अशांत क्षेत्र अधिसूचना को हटाया गया था और दिनांक 01 अप्रैल 2023 से अफस्पा के अधीन अशांत क्षेत्र अधिसूचना को 3 अन्य थाना क्षेत्रों से हटाते हुए कुल 8 जिलों के 18 पुलिस थानों से हटाया जा रहा है। केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने कहा कि पीएम मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार द्वारा उठाए गए प्रभावी कदम से उत्तर-पूर्वी राज्यों में सुरक्षा स्थिति में उल्लेखनीय सुधार हुआ है और विकास में तेजी आई है। वर्ष 2014 की तुलना में, वर्ष 2022 में उग्रवादी घटनाओं में 76 फीसदी की कमी आई है। उसी प्रकार इस अवधि में सुरक्षाकर्मियों और नागरिकों की मृत्यु में क्रमशः 90 फीसदी और 97 फीसदी की कमी आई है।

यूएनएचआरसी में देश की आवाज़ बनी इंदौर के सफाईकर्मी की बेटी

दलित-ओबीसी उत्थान पर की भारत की तारीफ

नई दिल्ली,(एजेंसी)। जेनेवा में मानवाधिकार परिषद के 52वें सत्र में भारत का प्रतिनिधित्व इंदौर शहर के एक सफाई कर्मचारी की बेटी को मिला।

रोहिणी घावरी सरकारी स्कॉलरशिप पर स्विट्जरलैंड में पीएचडी कर रही हैं। उन्होंने यूएनएचआरसी के सत्र में हाशिए पर पड़े लोगों के लिए उत्थान के लिए भारत की प्रशंसा की। रोहिणी ने कहा कि कुछ देश और संगठन भारत की छवि धूमिल कर रहे हैं लेकिन, पाकिस्तान समेत अन्य पड़ोसी देशों की तुलना में भारत में दलितों की स्थिति काफी बेहतर है। संयुक्त राष्ट्र में रोहिणी घावरी ने कहा कि मुझे संयुक्त राष्ट्र में रहने का एक सुनहरा मौका मिला है। भारत सरकार से एक मुझे करोड़ रुपए की छात्रवृत्ति मिली। मैं एक वास्तविक उदाहरण हूं। रोहिणी ने कहा कि एक सफाई कर्मचारी की बेटी होने के नाते यह बड़ी उपलब्धि है कि हम यहां तक पहुंचे हैं। रोहिणी ने कहा कि भारत में प्रमुख परिवर्तन यह है कि हमारे पास एक आदिवासी राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू हैं और हमारे पास एक ओबीसी प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी हैं। बेशक पिछले 75 वर्षों में, भारत में दलितों ने परिवर्तन देखा है। हमारे देश का संविधान इतना मजबूत है कि हाशिए पर रहने वाला व्यक्ति प्रधानमंत्री या राष्ट्रपति बनने का सपना देख सकता है।

मनोज सिन्हा को बापू की नहीं है जानकारी सबूत के साथ सामने आए परपोते तुषार गांधी

नई दिल्ली,(एजेंसी)। महात्मा गांधी के परपोते तुषार गांधी ने जम्मू-कश्मीर के उपराज्यपाल मनोज सिन्हा के इस दावे को खारिज किया है कि राष्ट्रपिता के पास एक भी विश्वविद्यालय की डिग्री नहीं थी। उन्होंने ट्वीट करते हुए लिखा है कि मोहनदास करमचंद गांधी ने दो जगह से 10वीं की परीक्षा पास की। उन्होंने अल्फ्रेड हाई स्कूल राजकोट से 10वीं की। उन्होंने लंदन में 10वीं के समकक्ष ब्रिटिश मैट्रिकुलेशन की परीक्षा उत्तीर्ण की।

उन्होंने लंदन विश्वविद्यालय से संबद्ध विधि महाविद्यालय इनर टेंपल से कानून की डिग्री के लिए पढ़ाई की और परीक्षा उत्तीर्ण की । इसके अलावा उन्होंने लातिन और फ्रेंच में दो डिप्लोमा प्राप्त किए। तुषार गांधी ने यह भी ट्वीट किया कि मैंने बापू की आत्मकथा की एक प्रति राजभवन जम्मू को इस उम्मीद के साथ भेजी है कि अगर उप राज्यपाल पढ़ सकते हैं तो उन्हें इस बारे में जानकारी मिल जाएगी। हालांकि उन्होंने यह भी लिखा मैं मानता हूं बापू के पास पूरे कानून की डिग्री नहीं थी। जम्मू और कश्मीर के उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने शुक्रवार को राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की शिक्षा को लेकर एक विवादित बयान दिया था जिसके बाद सियासत गरमा गई है।

दरअसल, मनोज सिन्हा ने कहा कि बहुत से लोगों के पास एक गलत धारणा है कि गांधी जी के पास कानून की डिग्री थी। क्या आप जानते हैं कि उनके पास एक भी विश्वविद्यालय की डिग्री नहीं थी? उनकी एकमात्र योग्यता हाई स्कूल डिप्लोमा थी। उन्होंने कानून का अभ्यास करने की योग्यता प्राप्त की लेकिन उनके पास कानून की डिग्री नहीं थी। उनके पास कोई डिग्री नहीं थी लेकिन उनके पास जानकारी बहुत अधिक थी।

भारत में अमेरिकी राजदूत ने कमला से ली शपथ

नई दिल्ली,(एजेंसी)। लॉस एंजिल्स के पूर्व मेयर एरिक गार्सेटी को एक समारोह के दौरान उप राष्ट्रपति कमला हैरिस द्वारा भारत में अमेरिकी राजदूत के रूप में आधिकारिक तौर पर शपथ दिलाई गई। अमेरिकी सीनेट ने इस महीने की शुरुआत में गार्सेटी के नामांकन की पुष्टि की थी। जिससे प्रमुख राजनयिक पद भरने के लिए दो साल से अधिक का लंबा अंतराल समाप्त हो गया। गार्सेटी का नामांकन जुलाई 2021 से अमेरिकी कांग्रेस के समक्ष लंबित था, जब उन्हें राष्ट्रपति जो बाइडेन द्वारा नामित किया गया था।

गार्सेटी की बेटी माया ने शपथ ग्रहण समारोह के दौरान हिब्रू बाइबिल रखी, जिसकी अध्यक्षता उपराष्ट्रपति कमला हैरिस ने की। इस समारोह में उनके करीबी परिवार के सदस्यों ने भाग लिया, जिसमें पत्नी एमी वेकलैंड, पिता गिल गार्सेटी, मां सुकी गार्सेटी और सास डी वेकलैंड शामिल थीं। जब उनके नए राजनयिक कार्य के बारे में पूछा गया तो गार्सेटी ने कहा, कि मैं सेवा करने के लिए इंतजार नहीं कर सकता। 52 वर्षीय गार्सेटी को राष्ट्रपति बाइडेन के कार्यालय में पहले दो वर्षों में कुछ सांसदों द्वारा चिंताओं के बीच सीनेट द्वारा पुष्टि नहीं की गई थी।

योगी के मंत्री की फिसली जुबान, सरकार की बहन-बेटियों को बताया असुरक्षित

सरकार की उपलब्धियां गिनाने जिले में पहुंचे थे

लखनऊ ,(एजेंसी)। उत्तर प्रदेश सरकार में राजस्व राज्यमंत्री अनूप प्रधान मैनपुरी जिले के प्रभारी मंत्री हैं। वह शनिवार को योगी 2.0 सरकार के एक वर्ष पूरे होने पर सरकार की उपलब्धियां गिनाने जिला पहुंचे। यहां वह सरकार की बड़ाई करने में जुटे थे। इसी बीच उनकी जुबान फिसल गई और मंत्री जी कुछ ऐसा बोल बैठे जो अब चर्चा का विषय बना हुआ है। दरअसल, शनिवार को राज्यमंत्री अनूप प्रधान मैनपुरी में योगी सरकार की उलब्धियां गिना रहे थे। वह प्रदेश की कानून व्यवस्था पर बोल रहे थे। उन्होंने कहा कि आज से छह वर्ष पहले प्रदेश में कानून व्यनस्था की हालत बड़ी खराब थी। जब से योगी आदित्यनाथ सीएम बने हैं, तब से प्रदेश में बहन बेटियां असुरक्षित महसूस कर रही हैं। मंत्री जी ने इतना कहा ही था कि उनके साथ मंच पर बैठे अन्य नेता बड़े असहज हो गए। मंत्री जी के बयान पर मंच पर मौजूद सभी लोग राज्यमंत्री की तरफ देखने लगे। दरअसल, मंत्री जी शायद यह कहना चाह रहे थे कि पिछले छह वर्षों में बहन बेटियां सुरक्षित महसूस कर रही हैं लेकिन जुबान फिसली और मंत्री जी सुरक्षित की जगह असुरक्षित बोल गए।

सीनियर आईएएस अफसर अपर्णा यू के पति भास्कर गिरफ्तार

नोएडा, (ब्यूरो)। आंध्र प्रदेश सीआईडी ने आईएएस अपर्णा के पति को नोएडा से गिरफ्तार किया है। 3300 करोड़ रुपए के घोटाले के आरोपी अफसर अपर्णा यू का पति जीबीएस भास्कर मिशन निदेशक एनएचएम यूपी हैं। अपर्णा के आंध्र में प्रतिनियुक्ति के दौरान घोटाला हुआ था। प्रतिनियुक्ति के दौरान आंध्र प्रदेश में अपर्णा ने पति को 3300 करोड़ का ठेका दिलाया था, जांच हुई तो आईएएस अपर्णा और उनके पति शामिल मिले। अपर्णा आंध्र प्रदेश में स्किल डेवलपमेंट में तैनात थीं, अपर्णा के पति ने फर्जी दस्तावेज के सहारे ठेका लिया था। प्रतिनियुक्ति से लौटीं अपर्णा तो एमडी यूपीपीसीएल बनाया था। यहां भी अपर्णा यू पर पेंशन घोटाले की सीबीआई चल रही है, 3300 करोड़ के आंध्र प्रदेश में घोटाले में शामिल हैं। जिस विभाग में पति ने घोटाला किया अपर्णा वहीं तैनात थीं, अपर्णा पर भ्रष्टाचार का यूपी में भी सीबीआई केस चल रहा है।

ईरान के साथ नहीं चाहते कोई टकराव: बाइडेन

वाशिंगटन, (एजेंसी)। सऊदी अरब से ईरान की दोस्ती के बाद अमेरिका के भी तेवर नरम पड़ते नजर आ रहे हैं। अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन ने कहा है कि उनका देश ईरान के साथ टकराव नहीं चाहता है। हालांकि बाइडेन ने स्पष्ट किया कि वे अपने कर्मियों की रक्षा के लिए करारा जवाब देंगे। बाइडेन का ये बयान ऐसे समय में आया है जब उत्तर-पूर्वी सीरिया में संदिग्ध ईरानी ड्रोन के हमले में एक अमेरिकी कॉन्ट्रैक्टर की मौत हो गई। यूएस रक्षा मंत्रालय ने कहा कि इस हमले में अमेरिका के पांच सैनिक और एक अन्य कॉन्ट्रैक्टर भी घायल हुए। बाइडेन ने इस सप्ताह अपने पड़ोसी देश कनाडा का दौरा किया था।

अमेरिका के तेवर नरम पड़े

इस दौरान अमेरिकी राष्ट्रपति और कनाडा के प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो ने नई यूएस-कनाडा साझेदारी के लिए फरवरी 2021 रोडमैप के तहत हुई प्रगति पर चर्चा की। इस दौरान बाइडेन ने एक संयुक्त बयान में मीडिया को संबोधित करते हुए कहा, कि मैं फिर से कह रहा हूं कि संयुक्त राज्य अमेरिका ईरान के साथ किसी तरह का कोई संघर्ष की चाहता है। लेकिन हमारे लोगों की रक्षा के लिए हम करारा जवाब देने के लिए तैयार हैं। अपना संबोधन शुरू करने से पहले राष्ट्रपति बाइडेन ने कहा कि उनका राष्ट्रीय सुरक्षा दल गुरुवार को सीरिया में हुए हमले को लेकर वहां जा रहा है।

बाइडेन ने कहा, कि एक ईरानी समर्थित आतंकवादी समूह ने अमेरिकी सुविधाओं में से एक पर हमला करने के लिए एक मानव रहित ड्रोन का इस्तेमाल किया, जिससे कई अमेरिकी घायल हुए। उस हमले में हमारे नागरिकों में से एक की दुखद मौत हो गई।

उत्तर कोरिया ने पानी के अंदर किया परमाणु परीक्षण

नई दिल्ली,(एजेंसी)। सनकी तानाशाह किम जोन उन का देश उत्तर कोरिया लंबे समय से लगातार हवा में मिसाइलें दागकर अपनी ताकत का दावा करता आया है। इस बार प्योंगयांग ने अंडरवाटर न्यूक्लियर अटैक ड्रिल किया।

किम जोंग उन के देश ने समुद्र के नीचे परमाणु हथियार ले जाने में सक्षम एक विशेष ड्रोन का परीक्षण अभ्यास किया है। उत्तर कोरिया ने दावा किया कि इस हथियार के हमले से रेडियोएक्टिव सुनामी आएगी। जिसे लेकर अंतरराष्ट्रीय समुदाय में एक नया डर पैदा हो गया है। उत्तर कोरिया ने शुक्रवार को इस हथियार का खुलासा किया। पिछले कुछ सालों से किम के देश ने अलग-अलग समय पर मिसाइल दागकर दुनिया के अलग-अलग देशों की नींद उड़ा रखी है। उत्तर कोरिया ने हमेशा दक्षिण कोरिया और अमेरिका के बीच संयुक्त अभ्यास का जवाब दिया है। ऐसे में इस बार नया हथियार उस देश के हाथ में आ गया है। मीडिया रिपोर्ट्स में दावा किया है कि पानी के भीतर परमाणु हमला करने में सक्षम यह ड्रोन रेडियोएक्टिव सुनामी का कारण बन सकता है।

कोरियन सेंट्रल न्यूज एजेंसी (केसीएनए) ने बताया कि परीक्षण के दौरान ड्रोन 80 से 150 मीटर की गहराई पर 59 घंटे से अधिक समय तक पानी के भीतर रहा। ड्रोन को 'अनमैन्ड अंडरवाटर न्यूक्लियर अटैक क्राफ्ट, हेल' नाम दिया गया है। इस ड्रोन को किसी भी एंगल से ऑपरेट किया जा सकता है। यह हथियार दुश्मन के जलमार्गों पर गुप्त रूप से हमला करने में सक्षम है।

महाविनाशकारी बवंडर से मिसिसिपी में 23 की मौत

मिसिसिपी, (एजेंसी)। अमेरिका के मिसिसिपी में भारी तबाही देखने को मिली है।

एक बवंडर ने तबाही मचाई है, जिससे 23 लोगों की मौत हो गई। कई लोग घायल हुए हैं और चार लोग लापता हैं, जिनकी तलाश जारी है। रात में आए तूफान के कारण बाढ़ में एक गाड़ी बह गई, जिसमें से एक बुजुर्ग महिला को सुरक्षित निकाला गया। अमेरिका में एक बवंडर ने भारी तबाही मचाई है।

अमेरिका के मिसिसिपी में शुक्रवार की देर रात बवंडर और तेज आंधी के कारण 23 लोग मारे गए और दर्जनों घायल हो गए।

पंजाब में बवंडर से दर्जनों लोग घायल, कई घर क्षतिग्रस्त

फाजिल्का, (एजेंसी)। पंजाब में कुदरत के कहर ने तांडव मचा दिया। पंजाब के फाजिल्का जिले के बाकेनवाला गांव में बवंडर से काफी नुकसान हो गया। इस भीषण बवंडर के कारण कम से कम 12 लोग घायल हो गए और 30 मकान क्षतिग्रस्त हो गए। कई पेड़ उखड़ गए। यहां काफी नुकसान हो गया। अधिकारियों ने शनिवार को बताया कि बवंडर से खेतों में खड़ी फसलों और कीनू के बाग को भी नुकसान पहुंचा है। एक स्थानीय किसान ने कहा कि ग्रामीणों ने शुक्रवार शाम करीब चार बजे बवंडर देखा। उन्होंने बताया कि इससे दो-ढाई किलोमीटर के इलाके को नुकसान पहुंचा है। प्रभावित गांव का दौरा करने वाले उपायुक्त सेनु दुग्गल ने कहा कि जिन ग्रामीणों के मकानों को नुकसान पहुंचा है, उन्हें प्रशासन ने स्थानीय सरकारी स्कूल में भेजा है। दुग्गल ने कहा कि प्रशासन संपत्ति तथा फसल को नुकसान का आकलन करने की प्रक्रिया भी शुरू करेगा जिसके बाद सरकार मुआवजा देगी। तबाही मचा रहे बवंडर का एक वीडियो सोशल मीडिया पर प्रसारित हो रहा है। बवंडर से घायल हुए लोगों को फाजिल्का के सिविल अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

राहुल अहंकार का परिणाम भुगत रहे: सीएम सरमा

गुवाहाटी,(एजेंसी)। असम सीएम हिमंत बिस्वा सरमा ने कहा कि कांग्रेस नेता राहुल गांधी 2019 में कर्नाटक में मोदी उपनाम पर की गई टिप्पणी के लिए माफी मांगने के बजाय अहंकारी होने का परिणाम भुगत रहे हैं। सरमा ने कहा कि अगर राहुल गांधी ने माफी मांग ली होती तो मामला वहीं खत्म हो जाता।

उन्होंने आगे कहा कि बीजेपी को किसी माफी की जरूरत नहीं है लेकिन उन्हें ओबीसी समुदाय से माफी मांगनी चाहिए थी। सरमा ने टिप्पणी की, राहुल गांधी ओबीसी समुदाय के लिए माफीनामा जारी कर सकते थे। लेकिन उन्होंने ऐसा नहीं किया और अहंकारपूर्ण व्यवहार किया। इसलिए अदालत को उनके अहंकार और ओबीसी समुदाय के गौरव में संतुलन बनाना होगा।

सिंध को स्वतंत्रता से वंचित कर रहा है पाक

नई दिल्ली,(एजेंसी)। जेई सिंध मुत्तहिदा महाज जेएसएमएम नाम के संगठन के कार्यकर्ता सज्जाद शर ने कहा कि पाकिस्तान 75 सालों से सिंध का एक उपनिवेश के तौर पर इस्तेमाल कर रहा है। वह सिंध के लोगों को उनकी मातृभूमि, संस्कृति, भाषा और राजनीतिक स्वतंत्रता से वंचित कर रहा है। संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार परिषद के 52वें सत्र के दौरान एक सिंधी कार्यकर्ता ने आईएसआई पर जमकर निशाना साधा।

प्रदर्शन

सैन फ्रांसिस्को में लहराया तिरंगा, भारत माता की जय के लगे नारे

ख़ालिस्तान के ख़िलाफ़ एकजुट हुए हिंदुस्तानी

नई दिल्ली, (एजेंसी)। खालिस्तानियों के खिलाफ अब दुनियाभर के हिन्दुस्तानी एकजुट होने लगे हैं और खासकर उन क्षेत्रों में रहने वाले भारतीय अब सड़क पर उतरने लगे हैं, जहां खालिस्तानियों ने उपद्रव मचाया है। अमेरिका के सैन फ्रांसिस्को में भी बड़ी संख्या में भातीय-अमेरिकी समुदाय के लोगों ने शांति मार्च निकाली है, जहां खालिस्तानियों ने इस हफ्ते की शुरूआत में तोड़फोड़ की थी।

खालिस्तान समर्थक प्रदर्शनकारियों के एक समूह ने रविवार को सैन फ्रांसिस्को में भारतीय वाणिज्य दूतावास पर हमला किया था और तोड़फोड़ की थी। खालिस्तान समर्थक नारे लगाते हुए, प्रदर्शनकारियों ने शहर की पुलिस ने जो बैरिकेट्स लगाए थे, उसे तोड़ दिया था और वाणिज्य दूतावास परिसर के अंदर दो तथाकथित खालिस्तानी झंडे लगा दिए थे। हालांकि, वाणिज्य दूतावास के दो कर्मियों ने जल्द ही इन झंडों को हटा दिया। जिसके बाद अब सैन फ्रांसिस्को में रहने वाले भारतीय लोगों ने एकजुटता दिखाने के लिए रैली की है, जिसमें सैकड़ों की संख्या में लोगों ने हिस्सा लिया है।

शुक्रवार को भारत के साथ एकजुटता दिखाने के लिए सैकड़ों भारतीय अमेरिकियों ने सैन फ्रांसिस्को और उसके आसपास तिरंगा झंडे के साथ शांति मार्च निकाला और भारत माता की जय के नारे लगाए। उन्होंने अलगाववादी सिखों की गतिविधियों की निंदा की, जो वहां कम संख्या में मौजूद थे। किसी भी अप्रिय घटना को रोकने के लिए स्थानीय पुलिस बड़ी संख्या में वहां मौजूद थी। कुछ अलगाववादी सिखों ने खालिस्तान समर्थक नारे लगाए, लेकिन उनकी संख्या भारतीय अमेरिकियों की तुलना में काफी कम थी। वहीं, जब भारतीयों ने भारत माता की जय और वंदे मातरम के नारे लगाने शुरू किए, तो खालिस्तानियों की आवाज गायब हो गई। वहीं, सैन फ्रांसिस्को में तिरंगा ही तिरंगा लहरा रहा था, जिसकी बाढ़ में खालिस्तानियों का झंडा धुंधला हो गया।

जेडीए की चकाचौंध पर भूमाफ़ियाओं की बल्ले बल्ले

- दर्जनों शिकायतों को पचा गया जयपुर विकास प्राधिकरण, लेकिन कार्यवाही के नाम पर केवल और केवल आश्वासन
- जयपुर विकास प्राधिकरण की इस आँख-मिचौली के चलते जोन-12 में जेडीए द्वारा पूर्व में ध्वस्त अवैध कॉलोनी पर आज भी लगातार निर्माण जारी
- आख़िर किस अधिकारी की शह पर चल रहा है धड़ल्ले से इस अवैध कालोनी में निर्माण
- जोन 12 में जेडीए की लगातार कार्यवाही जारी, लेकिन गोविंद विहार-3 पर जेडीए निष्क्रिय क्यों?

हिलव्यू समाचार

जयपुर। राजधानी के जोन 12 कालवाड रोड़ पर बिना भूमि रूपांतरण के काटी जा रही कॉलोनियों पर कहर बरसाने वाला जयपुर विकास प्राधिकरण उसी जोन में स्थित ग्राम पीथावास लालचन्दपुरा लिंक रोड पर अवस्थित निजी खातेदारी कृषि भूमि पर बिना भू-रूपांतरण कराये 'गोविंद विहार-3' पर पूर्व में दिनांक 30 मई 2022 को ध्वस्तिकरण की कार्यवाही करता है लेकिन फिर वर्तमान में यहाँ विलाज का निर्माण अनवरत रूप से पुनः संचालित हो जाता है।

लगातार शिक़ायतों के बाद भी जयपुर विकास प्राधिकरण की ख़ामोशी भूमाफ़ियाओं से साठगांठ के गठजोड़ को दर्शाती है।

आख़िर ग्राम पीथावास में कटी अवैध कालोनी गोविंद विहार-3 पर जेडीए हाथ डालने से क्यों कतरा रहा है ? जेडीए प्रशासन कालवाड़ रोड पर अवैध कॉलोनी धवस्त करने पहुँचा और एक के बाद एक कॉलोनी को ध्वस्त भी किया लेकिन वही पीथावास मे लिंक रोड पर स्थित अपने चहेते की अवैध कॉलोनी की तरफ जेडीए दस्ते ने देखने तक की हिमाक़त भी नहीं की क्यों?

गोविंद विहार-3 अवैध कॉलोनी को छोड़ देना जेडीए प्रशासन पर कई सवाल खड़ा कर रहा है।

देखने की बात है कि सार्वजनिक रूप से ख़बर प्रकाशित होने के बाद जोन-12 प्रवर्तन अधिकारी उक्त कॉलोनी पर कार्यवाही करते हैं या फिर मिलीभगत करके मेहरबानी!

सांगानेर नगर निगम ग्रेटर की कार्यशैली संदेह के घेरे में

नगर निगम ग्रेटर सांगानेर जोन में आवासीय भूखण्डों पर हो रहा व्यवसायिक अवैध निर्माण जबकि हाई कोर्ट के हैं सख़्त आदेश आवासीय भूखण्डों में न हो व्यवसायिक गतिविधि

शालिनी श्रीवास्तव

जयपुर (हिलव्यू समाचार)। जेडीए व नगर निगम ग्रेटर व हैरीटेज के हर जोन में अतिक्रमण और अवैध निर्माण जोरों पर है। निःसन्देह जेडीए व कुछ नगर निगम अवैध निर्माणों पर छोटी-मोटी कार्यवाही भी कर रहे हैं लेकिन उसके बावजूद ये अवैध निर्माण बढ़ते ही जा रहे हैं। निगम और जेडीए को अपनी कार्यशैली बदलनी होगी और जीरो टोलरेंस की नीति पर काम करना होगा। ध्वस्त करना होगा अवैध निर्माणों को क्योंकि सील तो 180 दिन से पहले ही खुल जाती है मिलीभगत से अन्यथा तो सीजर पर ही अवैध निर्माण लगातार चालू हो जाते हैं।

इसी तरह यह मामला स्पर्श हॉस्पिटल के पास न्यू सांगानेर मार्ग,असींद नगर के दादा गुरुदेव नगर, सांगानेर जोन ग्रेटर का मामला है कि। आवासीय भूखण्ड पर कमर्शियल निर्माण हो रहा है।

जेडीए जोन 08 के अधिकारी रोहित श्रीवास्तव ने बताया कि यह सांगानेर जोन ग्रेटर निगम का मामला है।

सांगानेर निगम को इन्हें ध्वस्त करना चाहिए ताकि लोगों में एक मैसेज जाए कि अवैध निर्माण का भविष्य अच्छा नहीं है। आख़िर सांगानेर जोन ग्रेटर निगम इस पर सख्ती से कार्यवाही क्यों नहीं कर रहा।

सख़्ती से नियमों की पालना कर कार्यवाही हो तो अवैध निर्माण की नींव तक नहीं रखी जा सकती जबकि बहुमंज़िला बिल्डिंग्स जब अवैध निर्माण के नाम पर ध्वस्त होतीं हैं तो सम्बंधित तात्कालिक अधिकारियों कर्मचारियों पर भी बराबर से कार्यवाही होनी चाहिए कि उनके पद पर रहते यह अवैध निर्माण कैसे सम्भव हुआ?

जेडीए ज़ोन 4 व 5 लगातार कर रहा है राजस्थान हाईकोर्ट की अवमानना

गोपालपुरा बायपास जेडीए जोन 4 व 5 में आवासीय भूखण्डों पर लगातार हो रहे व्यवसायिक अवैध निर्माण।

प्लॉट न.124, मोहन नगर रिध्दि सिद्धि सर्कल पर डॉ तरुण पाटनी बना रहे बिना अनुमति अवैध बहुमंज़िला कमर्शियल बिल्डिंग।

प्लॉट न. 125,मोहन नगर रिध्दि सिद्धि सर्कल पर ही हो रहा दूसरा अवैध निर्माण।

गोपालपुरा बायपास के अवैध निर्माणों पर लग चुकी है जनहित याचिका।

आख़िर क्या वजह है कि जेडीए के क्षेत्राधिकार में आ रही भूमियों पर अवैध निर्माण चरम पर हैं और कोई कार्यवाही नहीं हो रही।

जेडीए की दोहरी दोगली नीति जनता में भर रही अविश्वास।

प्रवर्तन शाखा के मुख्य नियंत्रण प्रवर्तन अधिकारी रघुवीर सैनी क्यों निष्क्रिय हैं क्यों मौन हैं इतने अवैध निर्माण देखकर?

आख़िर क्या वजह है कि लाइफ केयर गोपालपुरा बायपास जयपुर के मालिक डॉ तरुण पाटनी की अवैध बिल्डिंग प्लॉट न.124 व प्लॉट न. 125 स्कूल के अवैध निर्माण पर नहीं हो रही कोई सीजर की कार्यवाही?

स्मार्टनेस वुमन पर टॉक शो संपन्न

जयपुर (हिलव्यू समाचार)। कान्हा फाउंडेशन व अभिनंदन भारत के संयुक्त तत्वाधान में शास्त्री नगर स्थित होटल में स्मार्टनेस वूमेन पर टॉक शो संपन्न हुआ। कार्यक्रम संयोजक डॉक्टर रितिका पारीक व टीना सरिया ने बताया कि कार्यक्रम में महिलाओं व पुरुषों ने महिलाओं की शख़्सियत,महिलाओं की बढ़ती प्रतिस्पर्धा व परेशानियों आदि पर टॉक शो पर चर्चा की। जिसमें डॉ रेणु पारीक, बीसीएस चौधरी, अनिला चौरडीया, विनोद पुरोहित, गिरिजा शर्मा, मधुकर पारीक, डॉ रुचिका राठौर सोलंकी, भुवनेश टाक अजय शर्मा, नेहा बाबर, अमृता मौर्या, आदि ने भाग लिया । कार्यक्रम में आगंतुक अतिथि में मनोज मुद्गल, आचार्य चंद्रशेखर पारीक,डॉ अलका गौड़, समाजसेवी दौलत त्रिलोकानी, रितु अग्रवाल, गोविंद सिंह शेखावत, घनश्याम मुलानी, मनजीत अरोड़ा, मीना मूलचंदानी, गुल साजनानी, बूनेश टॉक सोनू मंगल अनिल अग्रवाल आदि गणमान्य लोग उपस्थित रहे। आए हुए अतिथियों को दुपट्टा व प्रतीक चिन्ह देकर सम्मानित किया गया।

हास्य व्यंग्य कवि सम्मेलन के पोस्टर का किया विमोचन

हिलव्यू समाचार

जयपुर। अंतरराष्ट्रीय वैश्य महासम्मेलन, जयपुर सेंट्रल एवं लायंस क्लब जयपुर डायमंड के संयुक्त तत्वावधान में 26 मार्च को शाम पांच बजे विद्याधर नगर में कवि सम्मेलन का आयोजन किया जाएगा। इसके पोस्टर का विमोचन पूर्व न्यायाधीश दीपक माहेश्वरी, पूर्व मुख्य सचिव अशोक जैन ने जय क्लब में किया। इस अवसर पर वैश्य महासम्मेलन जयपुर के अध्यक्ष सुधीर जैन गोधा, महासचिव संजय पाबूवाल, मुख्य समन्वयक शरद काबरा, कोषाध्यक्ष आरके गुप्ता, वरिष्ठ कार्यकारी सचिव जेके जैन, लायंस क्लब के अध्यक्ष शंकर सिंह खंगारोत, पार्षद प्रियंका अग्रवाल, सुभाष परवाल, एसएन गुप्ता उपस्थित रहे।

अंतरराष्ट्रीय गुर्जर दिवस पर किया आयोजन

गुर्जर शहीद सैनिकों और उनके परिजनों को किया सम्मानित

हिलव्यू समाचार

जयपुर। अखिल भारतीय गुर्जर महासभा राजस्थान प्रदेश की ओर से बुधवार को बिरला ऑडिटोरियम में अंतरराष्ट्रीय गुर्जर दिवस पर सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। रामसेवक दास महाराज और हीरा पुरी महाराज के सानिध्य में हुए इस कार्यक्रम में शहीद सैनिकों की वीरांगनाओं, स्वतंत्रता सेनानियों के परिजनों, नवनिर्वाचित छात्रसंघ पदाधिकारियों और नवनियुक्त अधिकारियों का सम्मान किया गया। महासभा के प्रदेश अध्यक्ष पुरुषोत्तम फागना और प्रदेश महामंत्री राजेश गुर्जर एडवोकेट ने बताया कि समारोह के मुख्य अतिथि देवनारायण बोर्ड के अध्यक्ष और नदबई विधायक जोगिंदर सिंह अवाना, हेरिटेज महापौर मुनेश गुर्जर, ग्रेटर महापौर सौम्या गुर्जर, देवकीनंदन काका, डॉ. यशवीर सिंह, डॉ. जिलेराम, राजस्थान प्रशासनिक अधिकारी एसोसिएशन के अध्यक्ष गौरव बजाड़, जमवारामगढ़ प्रधान रामफुल गुर्जर रहे। इस मौके पर जोगिंदर सिंह अवाना को मुख्यमंत्री के नाम पांच सूत्री मांगों का ज्ञापन भी सौंपा गया। इस मौके पर वक्ताओं ने अंतरराष्ट्रीय गुर्जर दिवस पर गुर्जर समाज में शिक्षा को बढ़ावा देने व समाज के विषय पर अपने विचार प्रस्तुत किए। प्रदेश प्रवक्ता सुरेश गुर्जर ने बताया कि समारोह में लगभग 1500 स्त्री व पुरुष राजस्थान के विभिन्न जिलों से पधारे मंच संचालन राजेश गुर्जर एडवोकेट सुरेश गुर्जर एडवोकेट देवाशीष ने किया। प्रदेशाध्यक्ष पुरुषोत्तम फागण ने आए हुए सभी समाज बंधुओं का कार्यक्रम में पधारने एवं समारोह के सफल आयोजन के लिए धन्यवाद ज्ञापित किया।

प्रतिनिधि मंडलों ने की मुलाकात

नए जिलों के गठन पर अशोक गहलोत का जताया आभार

हिलव्यू समाचार

जयपुर। नीम का थाना एवं डीडवाना-कुचामन से आए प्रतिनिधिमण्डलों ने गुरुवार को मुख्यमंत्री अशोक गहलोत से सीएम आवास पर मुलाकात की तथा नए जिलों के गठन के लिए आभार जताया। इस दौरान गहलोत ने कहा कि लम्बे अरसे से नए जिले बनने की मांग हो रही थी। राज्य सरकार द्वारा 19 नए जिले बनाने से जनता में खुशी की लहर है। जिलों के बड़े आकार से प्रशासनिक कार्यों में कठिनाई होती है। छोटी प्रशासनिक इकाइयों से विकास में सुगमता होगी। गहलोत ने कहा कि मुख्यमंत्री चिरंजीवी स्वास्थ्य बीमा योजना से राज्य स्वास्थ्य बीमा कवरेज में देशभर में आज प्रथम स्थान पर है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार द्वारा युवाओं को 1.25 लाख नौकरियां दी जा चुकी है। लगभग इतनी ही प्रक्रियाधीन है तथा 1 लाख नौकरियों की घोषणा की जा चुकी है।

गहलोत ने कहा कि राज्य में मानवीय दृष्टिकोण से पुरानी पेंशन योजना लागू की गई है। इससे कर्मचारियों में अपने भविष्य के प्रति सुरक्षा की भावना आई है। इस अवसर पर डीडवाना विधायक चेतन डूडी ने 19 नए जिले बनाने के लिए मुख्यमंत्री का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि इस निर्णय से प्रदेश की जनता को विभिन्न कार्यों में सुगमता होगी। नीम का थाना विधायक सुरेश मोदी ने नीम का थाना को जिला बनाने के लिए मुख्यमंत्री को धन्यवाद ज्ञापित किया। राज्य सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं से सभी क्षेत्रों में प्रदेश का अभूतपूर्व विकास हुआ है।

केन्द्र सरकार दे ईआरसीपी को राष्ट्रीय परियोजना का दर्जा

मुख्यमंत्री ने कहा कि पूर्वी राजस्थान नहर परियोजना राजस्थान के 13 जिलों में पेयजल तथा सिंचाई के लिए एक महत्वपूर्ण योजना है। राज्य सरकार द्वारा 13.5 हजार करोड़ रुपए से इस योजना का निर्माण करवाया जा रहा है। केन्द्र सरकार को जल्द से जल्द ईआरसीपी को राष्ट्रीय परियोजना का दर्जा देना चाहिए। इसमें हो रही अकारण देरी से परियोजना की लागत में अप्रत्याशित रूप से वृद्धि होने की संभावना है।

सर्राफ ने किया शहीद हेमू की प्रतिमा का अनावरण

जयपुर (हिलव्यू समाचार)। शहीद हेमू कालाणी की जन्म शताब्दी वर्ष पर मालवीय नगर के सेक्टर एक स्थित झूलेलाल मंदिर के पास स्थापित की गई शहीद हेमू कालाणी की प्रतिमा का अनावरण क्षेत्रीय विधायक कालीचरण सर्राफ ने किया। यह प्रतिमा कालीचरण सराफ द्वारा विधायक कोष से प्रदत्त राशि से बनवाई गई है। इस अवसर पर सराफ ने कहा कि हेमू कालाणी ने सिंध प्रांत में अंग्रेजों के खिलाफ आजादी की लड़ाई की अगुवाई की। उन्होंने 19 वर्ष की अल्प आयु में ही अंग्रेजों के खूंखार दल और खतरनाक हथियारों से लदी ट्रेन को रेलवे पटरी की फिश प्लेट से हटाकर गिराने की कोशिश की। गिरफ्तारी के बाद भी हेमू ने माफी नहीं मांगी और ना ही साथियों के नाम बताए। हेमू को फांसी से पहले जब अंतिम इच्छा पूछी गई तो उन्होंने कहा- दोबारा भारत में जन्म लेकर देश की सेवा कर करना चाहता हूं। इस मौके पर सिंधी समाज के लोगों ने सराफ का पखर पहनाकर स्वागत किया। क्षेत्रीय पार्षद जयश्री गर्ग ने बताया कि समारोह की अध्यक्षता महिला आयोग की पूर्व अध्यक्ष सुमन शर्मा ने की। समारोह में मुख्य वक्ता राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के जयपुर प्रांत बौद्धिक प्रमुख दिनेश मणिरत्नम थे। कार्यक्रम में राजस्थान सिंधु सभा के प्रदेश अध्यक्ष मोहन वाधवानी, जयपुर सेंट्रल सिंधु पंचायत के अध्यक्ष चंद्रप्रकाश खेतानी, उपमहापौर पुनीत कर्नावट,ओम स्वामी, राम प्रसाद शर्मा, कार्यक्रम के संयोजक पूर्व पार्षद धर्मदास मोटवानी मौजूद रहे।

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक, एवं मुद्रक शालिनी श्रीवास्तव के लिए अम्बर ऑफसेट प्राइवेट लिमिटेड, डी.एल. टॉवर, 3-ए, विद्याश्रम संस्थानिक क्षेत्र, जेएलएन मार्ग, जयपुर में मुद्रित एवं प्लॉट नंबर C-2,अर्शिया रेजिडेंसी, फ्लैट नंबर 201,आदर्श नगर,राजा पार्क जयपुर-302004 (राजस्थान) से प्रकाशित।

संपादक : शालिनी श्रीवास्तव **सह-संपादक:** हरीश श्रीवास्तव, छबड़ा बारां **सह-संपादक :** कुलदीप गुप्ता, जयपुर मो.: 9460678701, 7976561127 (21 जून 2014 से निरन्तर प्रकाशित) hillviewsamachar@gmail.com (राजस्थान सरकार से विज्ञापन हेतु स्वीकृत)